2 गज दूरी
मास्क जरूरी

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
website: www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-4 | अंक-10 | मई-2021 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

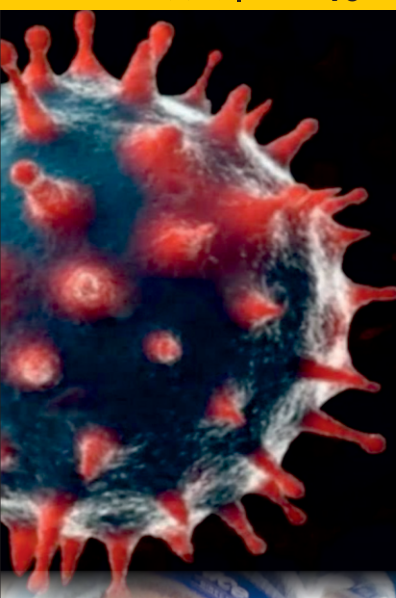

COVID 2ND WAVE

श्रद्धांजलि

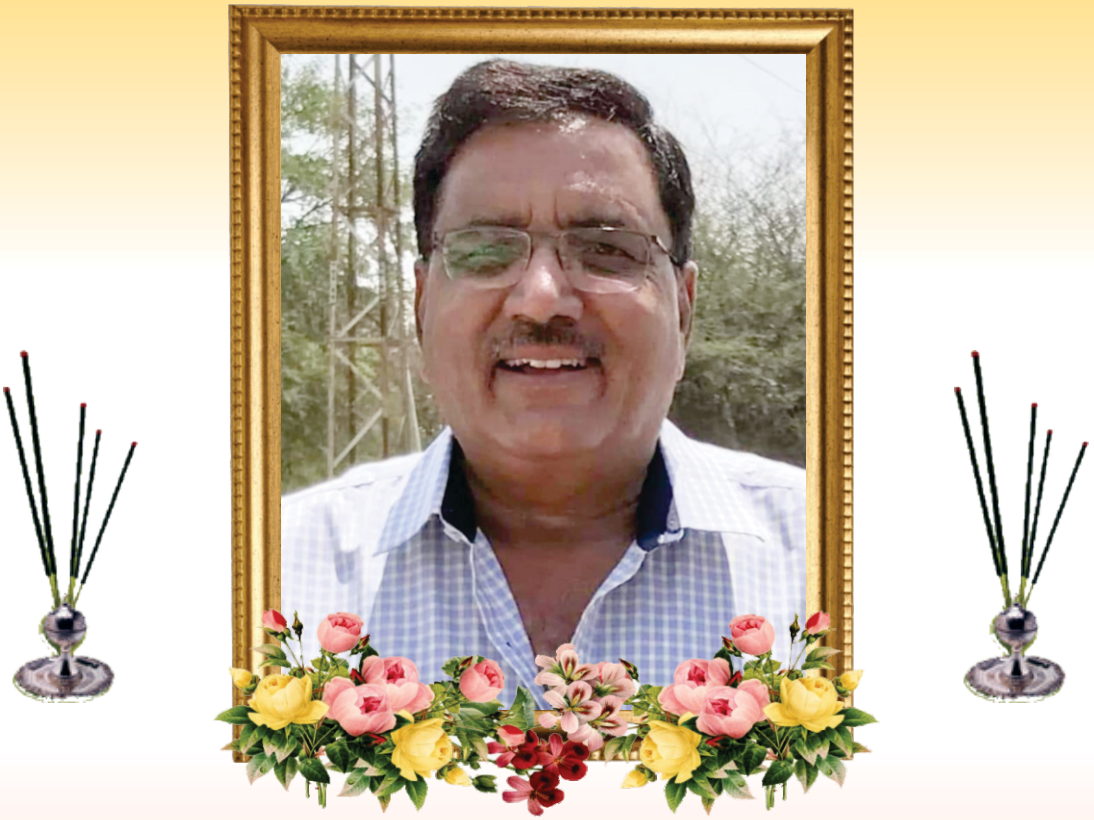

हमारे प्रिय

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को
हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

कुमावत प्रगति ट्रस्ट
कुमावत इंडिया पत्रिका
के समस्त ट्रस्टी,
व्यवस्थापक एवं सम्पादक मण्डल सदस्य एवं
कुमावत इंडिया महिला क्लब की सदस्य

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	रिक्त पद	-
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर से प्रारंभ हुआ कोविड-19 वायरस, संक्रमण के माध्यम से पूरे विश्व में फैल गया है। इस वायरस ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। इसने न केवल जन हानि की है बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। इस वायरस के सामने W H O भी घुटने टेक चुका है। गत दो माह में यह वायरस इतनी तेजी से फैलने लगा कि सरकारें इसके समक्ष असहाय हो गई है। पहली लहर 2020 में परिवार में एक दो सदस्य ही संक्रमित होते थे किंतु दूसरी लहर में पूरा परिवार संक्रमित हो रहा है। भारत का कोविड वेरिएंट B.1.617 से ग्लोबल खतरा और बढ़ गया है। वैज्ञानिक कहते हैं यह इम्यून सिस्टम को आसानी से भेद सकता है। अधिकृत आंकड़े के अनुसार भारत में हर दिन 80 लाख व्यक्ति संक्रमित हो रहे हैं। 16 मई 2021 को कुल संक्रमित 2.46 करोड़ और ठीक हुए 2.07 करोड़, संक्रमित 36.18 लाख जबकि कुल मौते 2.70 लाख बतायी गयी है। अभी तक 18.22 करोड़ लोगों ने वैक्सीन लगवा ली है। आंकलन है कि मौते की सही संख्या 7.50 लाख रही होगी। पहले 378 दिन में 2790 मौते हुई थी इस बार 63 दिनों में ही 4147 मौते हुई। शोधकर्ताओं द्वारा अगस्त, 2021 तक मृतक संख्या दुगनी यानी करीब 15 लाख होने का अनुमान लगाया जा रहा है। राज्य सरकारों द्वारा लॉकडाउन लगाने के पश्चात भी कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। इस माह में समाज के कई समाजसेवी एवं भामाशाहों का निधन हो गया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका व कुमावत प्रगति ट्रस्ट के कई साथियों ने कोरोना से लड़कर विजय भी प्राप्त की है **किंतु कुमावत प्रगति ट्रस्ट के सचिव श्री विनोद बालोदिया का कोरोना से असामयिक निधन हो गया है।**

आजकल कोविड संक्रमण के उपरांत **ब्लैक फंगस** या **म्यूकर माइकोसिस** फैल रहा है। इससे बचने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाइड लाइन जारी की हैं । 2 फरवरी 2021 से फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही देश में एक मार्च 2021 से टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण शुरू हो गया है इसमें 60 वर्ष से अधिक उम्र एवं विशेष परिस्थिति में 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों को वैक्सीन दी गई। तीसरे चरण के रजिस्ट्रेशन 28 अप्रैल से शुरू हो गए हैं इस चरण में 18 साल और उससे ऊपर की आयु वाले 1 मई से टीका लगवा रहे हैं। मई, 2021 में कोरोना के नए मामले हर दिन भयानक गति से बढ़ रहे हैं। जो लोग गंभीर रूप से कोरोना संक्रमित हो रहे हैं उनमें से कई लोग अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन ना मिलने से अपनी जान गवा चुके हैं। देश के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन खत्म होने से मौते होना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे समय में हमें कोरोना से डरना नहीं बल्कि गाइडलाइन की पालना करते हुए मुकाबला करके विजय प्राप्त करनी है।

यदि हमें नींद कम आने की शिकायत, बार-बार इन्फेक्शन, थकान, ठंड और गले में खराश, एलर्जी, चोट के घाव भरने में देरी, कब्ज की शिकायत, एनीमिया, बाल झड़ना और मोटापा है तो हमारी इम्यूनिटी कम हो सकती है। इसे बढ़ाने के लिए हमें भोजन समय पर और पर्याप्त मात्रा में लेना चाहिए। हमारी जीवन शैली के साथ नियमित प्राणायाम, योग तथा व्यायाम करना चाहिए। दुर्व्यसन छोड़ने चाहिए। खट्टे फल-संतरा, निम्बू, आंवला, करौंदा, अंगूर तथा पपीता, अनार खाने से रक्त में सफेद कोशिकाएं बढ़ती है फलस्वरुप बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। लाल शिमला मिर्च, पालक, मशरूम ,चुकंदर, टमाटर में विटामिन- बी व सी एवं एंटी ऑक्सीडेंट होता है। हल्दी अदरक, लहसुन, काली मिर्च, दालचीनी व लोंग में सूजन रोधी(Anti inflammatory) जीवाणु रोधी(Anti bacterial) गुण होते है। बादाम, अखरोट व मुनक्का में विटामिन ए व डी होते हैं साथ ही प्रोटीन एवं फाइबर होने से ये हड्डियों को मजबूत करते हैं दुग्ध उत्पाद बीमारियों से लड़ने , प्रतिरक्षा मजबूत करने व हड्डियां मजबूत करने में सहायक होते हैं। दालों व जड़ी बूटियों आदि के सेवन से भी हम इम्यूनिटी बढ़ा सकते हैं।

हमारे साथी श्री विनोद बालोदिया एवं समाज के अन्य महानुभाव जिनका असामयिक निधन हो गया है उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित है।

- राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

श्रद्धांजलि

हमारे समधी जी

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को

हो जाने पर हम सभी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

ललिता-शुभकरण किरोड़ीवाल आशुतोष, डिंक्की **जीनस इंटरनेशनल** 9th फ्लोर, शुभ स्क्वायर, पटेल वाड़ी 3 के पास, लाल दरवाजा, सूरत	रमेश चंद बड़ीवाल- ज्योत्सना हितेश- शालू, अनूप- संजना प्रत्यूष, कीयान, केरव एवं बड़ीवाल परिवार • **बड़ीवाल क्लॉथ स्टोर, फुलेरा 9001121678** • **कुमावत साड़ी, फुलेरा 9928647778**
चेतनप्रकाश-शान्ति, संजय-सपना, सुनिल-रजनी टिया, प्रियांशी, निहारा, प्रियल बड़ीवाल परिवार फुलेरा • चेतन प्रकाश रमेशचन्द्र-9414451663 • कुमावत ट्रेडर्स -9887476797 • निहारिका साड़ी -8690049151 चिरंजीलाल, दामोदर , मुकेश, शिवकुमार समस्त बडीवाल परिवार बडीवाल भवन सब्जी मंडी फुलेरा	मंजू-कृष्ण गोपाल मारवाल निकीता-विजय (पुत्री-दामाद) **विशाल ट्रेडर्स** वापी (गुजरात) मो. 9824892299

श्री विनोद बालोदिया

श्री विनोद बालोदिया का जन्म बालोदिया भवन, सी-स्कीम, जयपुर में पिता श्री देवीलाल बालोदिया व माता श्रीमती बसंती देवी के परिवार में 3 मई 1953 को हुआ। आपके दादाजी श्री मांगीलाल बालोदिया के चूना भट्टे व स्वेज फार्म में कृषि भूमि थी। आपकी शिक्षा जयपुर में खंडेलवाल स्कूल में हुई। शिक्षा पूर्ण करने के बाद आपका विवाह मुम्बई निवासी राम सहाय सिरसवा की पुत्री शशिकला के साथ 13 मई 1973 को सम्पन्न हुआ।

आपका पैतृक मकान लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर पर स्थित है। आपने वहां कोयले व लकड़ी का व्यवसाय प्रारम्भ किया जो अनुकूल नहीं रहा तथा उसे जल्द ही बंद कर दिया। इसके बाद आप मुम्बई चले गए व वहां अपने श्वसुर के साथ भवन निर्माण का कार्य किया। किन्तु मुम्बई की आबो-हवा पसन्द नही आने से वापस जयपुर आ गए। इस दौरान भ्राता श्री चेतन ने जयपुर में ब्लॉक बनाने का कार्य सीख लिया था। दोनों भाइयों ने मिलकर **राज ब्लॉक्स** के नाम से चौडा रास्ता, जयपुर में 31 दिसम्बर, 1975 को कारोबार प्रारम्भ किया। दोनों भाइयों की कड़ी मेहनत, ईमानदारी व व्यावसायिक कुशलता से शीघ्र ही यह नाम राजस्थान में जाना पहचाना बन गया। यहां आधुनिक मशीनों से गुणवत्ता के साथ कलर प्रिंटिंग का कार्य किया जाता है। इसका विस्तार करते हुए दोनों भाइयों ने 22 गोदाम व नंदपुरी, जयपुर में नई यूनिट व **राज प्रिन्टलाईन** स्थापित की।

आप दोनों भाइयों ने महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर में दो भूखंड ले कर अपने नए निवास बनाये। आज दोनों भाइयों के पुत्र पारिवारिक व्यवसाय में सहयोग दे रहे है तथा प्रिंटिंग व्यवसाय में बहुत प्रगति की है। आप दोनों भाइयों की जोड़ी राम-लक्ष्मण जैसी जोड़ी रही है व सामाजिक समारोहों में आप दोनों प्राय: साथ देखे जाते थे। दोनों भाइयों में निश्छल भाव से प्रेम व स्नेह असीमित रूप से रहा जो सभी को प्रेरणा देता रहेगा।

कुमावत समाज के कार्यों को आप प्राथमिकता से व रियायती दरों पर करते रहे है। समाज की अनेक संस्थाओं को आपने आर्थिक सहयोग दिया है व समाज में आपका बड़ा नाम रहा है।

विनोद जी अलौकिक व्यक्तित्व के धनी थे। आपके प्रयासों से राजस्थान ऑफ्सेट प्रिंटर्स एसोसिएशन बनी तथा आप इसके संस्थापक कोषाध्यक्ष बनाये गए, जो सम्मान की बात है।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट ने आपकी बहुमुखी प्रतिभा से प्रभावित हो कर आपको ट्रस्टी पद पर 14 नवम्बर 2016 को 3 वर्ष के लिए मनोनीत किया व अच्छे कार्य के कारण आपका कार्यकाल एक टर्म के लिए ओर बढ़ाया। **कुमावत इंडिया** मासिक सामाजिक पत्रिका की प्रिंटिंग आपके निर्देशन व देखरेख में प्रथम अंक अगस्त 2017 से निरंतर होती रही है। आपने स्वयं रुचि लेकर इसका टाइटल पेज (कवर पेज) फ्रन्ट पेज अपनी सृजनात्मक क्षमता से तैयार किये है। समाज में आज **कुमावत इंडिया** पत्रिका की जो पहचान बनी है उसमें आपका बड़ा योगदान रहा है। कुमावत प्रगति ट्रस्ट इसे सदा इसे याद रखेगा।

आप कोरोना से अदम्य साहस से 26 दिन तक अस्पताल में मुकाबला किया तथा पूरा परिवार आपके साथ खड़ा रहा। आपकी रिपोर्ट नेगेटिव भी आ गई थी व तबियत में सुधार दिखाई देने लगा था पर 13 मई 2021 को प्रात: आपने अंतिम स्वास ली। शायद ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था, जिसके आगे हम सभी मजबूर है।

आप अपने पीछे तीन भ्राताओं श्री चेतन बालोदिया, श्री चंद्र प्रकाश व श्री दिनेश का परिवार छोड़ गए है। आपकी एक बहिन राजबाला है जिसका ससुराल ब्यावर में है। श्रीमती शशिकला पत्नी, सुनील-रेणु, रवि-रिम्पल (पुत्र- पुत्रवधु) तथा ट्विंकल-कमल, निकिता-विजय (वापी) (पुत्री-दामाद), अंशुल, आशना एवं आरव (पौत्र-पोत्री) आदि का भरापूरा परिवार है। यद्यपि किसी प्रकार की कोई कमी नही है किंतु सदैव आपके परिवार, मित्रों, समाज तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार को आपकी कमी महसूस होती रहेगी।

कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार अपने सम्माननीय साथी विनोद जी को अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धाञ्जलि अर्पित करता है।

एमबीबीएस में उत्तीर्ण होने तथा सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी चयनित होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

पूजा कुमावत
पुत्री श्री भागचंद कुमावत
एमबीबीएस

कमल कुमार कुमावत
पुत्र श्री कुंदनमल कुमावत
एमबीबीएस

धनंजय कुमावत
पुत्र श्री भागीरथ कुमावत
एमबीबीएस

पंकज कुमावत
पुत्र श्री रामनारायण कुमावत
एमबीबीएस

शिरीन बालोदिया
एमबीबीएस

बालकिशन कुमावत
पुत्र श्री बजरंग लाल कुमावत
एमबीबीएस

वैभव कुमावत
एमबीबीएस

नरेन्द्र प्रसाद कुमावत
पुत्री श्री रामचंद्र कुमावत
एमबीबीएस

अवनी कुमावत
पुत्री डॉ. धीरज कुमावत
एमबीबीएस

दीपिका वर्मा
पुत्री श्री परमानंद वर्मा
एमबीबीएस

मनीष कुमावत, चौमूं
पुत्र श्री बाबूलाल बारवाल
एमबीबीएस

डॉ. कमलेश कुमावत, जोबनेर
पुत्र श्री धन्नालाल कुमावत
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. नरेन्द्र कुमावत, पाली
पुत्र श्री खेतराम कुमावत
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. संतोष कुमावत, बीकानेर
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. संजय कुमावत, कालवाड़
पुत्री श्री राम किशोर कुमावत
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. सुमन कुमावत
सामुदायिक स्वास्थ्य
अधिकारी

डॉ. वीरेंद्र नीरानिया, सीकर
पुत्र श्री गौरीशंकर कुमावत
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. गोपाल कृष्णकुमावत, चौमूं
पुत्र श्री सांवरमल कुंडलवाल
सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. शुभम कुमावत, नावां
सामुदायिक स्वास्थ्य
अधिकारी

डॉ. संदीप कुमावत
पुत्र श्री रामनिवस कुमावत
एसिस्टेंट रेडियोग्राफर

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को
हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

रामप्रकाश मारवाल

433 ए-सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018

विज्ञापन

शाहपुरा में 12+1 जोड़ों का विवाह

शाहपुरा (त्रिवेणी धाम) रामनवमी के पावन पर्व पर कुमावत समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन महाराज श्री रामरिछपाल दास जी के सानिध्य में सन्तों की तपोभुमि त्रिवेणी-धाम (शाहपुरा जयपुर) की पावन धरा पर विवाह समिति के अध्यक्ष रामकुवांर जी मारोठिया की अध्यक्षता में भारतीय सनातनी संस्कारों के अनुरूप कोविड की गाइड लाइन की पालना के साथ पूर्ण हर्षोल्लास के साथ विधिवत सम्पन हुआ।

इस अवसर पर कुमावत समाज के अध्यक्ष गिरधारीलाल मारवाल ने कहा कि इस आयोजन के तहत जिस प्रकार समाज के युवाओं ने बढचढ कर कार्य किया है वह बहुत ही सराहनीय है। हमारे समाज के युवा ही समाज को श्रेष्ठता के पथ पर ले जा सकते है। इनकी प्रत्येक कार्य में भागीदारी उत्साह वर्धन करने वाली है। समाज के युवा ही समाज की रीढ होती है।

कार्यक्रम के तहत पूर्व अध्यक्ष गंगाराम मारोठिया ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने से ही समाज आगे बढ़ सकता है। इसलिए हमें अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में कभी भी पीछे नहीं रहना चाहिए । पूर्व अध्यक्ष सोहनलाल मामोडिया, चौंमू ने भामाशाहों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि समाजहित के कामों में हर समाज बन्धु को अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान देना चाहिए।

समाज सेवक मातादीन मारोठिया ने कहा की कुरुतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक सोच को आगे बढाने से समाज अपनी अलग पहचान बना सकता है। समाज सेवक टेकचन्द बालोदिया ने कुमावत समाज के लड़के लड़कियों मे रिश्तों को लेकर कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता। हमें इस पर भी सकारात्मक विचार करना चाहिए।

समाज के कामों में हमेशा सक्रिय रहने वाले मनफूल बाबुजी ने शिक्षा में अग्रणी रहने वाले बच्चो के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की बात कही। इससे प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा। समाज सेवक सुभाष कोलुगरिया ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के युवाओं के सामने रोजगार की समस्या रहती है। हमारे संगठन को इस पर भी विचार करना चाहिये, जिससे समाज के युवाओं को रोजगार मिलने में सुविधा हो सके। समिति के उपाध्यक्ष जगदीश जलिन्दरा व हीरालाल बबेरवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विवाह समिति के अध्यक्ष और समाज के भीष्मपितामह रामकुवांर मारोठिया ने अपने उद्बोधन मे कहा कि कुमावत समाज की पहचान 'स्थापत्य कला' है। स्थापत्य कला के साथ तकनीकी शिक्षा को ओर जोड़ दिया जाये, तो आम लोगों को सस्ते आवासीय विकल्प दिये जाने के साथ साथ स्थापत्य कला को भी जीवित रखा जा सकता है। मारोठिया ने कहा कि सभी जातियों मे बच्चे पैदा होते है और कुमावत समाज मे आनुवंशिक इन्जीनियर पैदा होते हैं, उनको एक दिशा देने मात्र से समाज की दशा बदल सकती है। हमें समाज हित में इस ओर विशेष कर ध्यान देना चाहिए।

इस अवसर पर कुमावत समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कुमावत समाज के सामुहिक विवाह कार्यक्रम के तहत 12.1(तुलसी विवाह) जोड़ों के मांगलिक कार्य सम्पन्न हुए।

कुमावत युवा शक्ति नावां का स्वेच्छिक रक्तदान शिविर

जिला कलेक्टर से प्रेरित हो कर कुमावत युवा शक्ति नावां के तत्वाधान में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का 17 मई को आयोजन हुआ। इस शिविर वेक्सीनेशन से पहले युवाओं ने सोशल डिस्टेंसिन्ग के साथ बड़े उत्साह से 51 यूनिट रक्तदान किया। श्याम ब्लड बैंक, कुचामनसिटी ने रक्त संग्रहण में अपनी सेवाए दी। **श्री मुकेश नोखवाल ने 15वीं बार तथा श्री हेमंत कुमावत ने 11वीं बार रक्तदान किया।**

इस अवसर पर श्री राजेश कुमावत, अध्यक्ष व प्रदेशाध्यक्ष श्री नवरत्न कुमावत, कुमावत युवा शक्ति के साथ-साथ वरिष्ठ एवं युवा समाजबंधु उपस्थित थे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को मास्क व सेनेटाइजर दिए गए। कोरोना काल मे रक्त की ब्लड बैंको में कमी है इसे देखते हुए मानवता के हित में कुमावत युवा शक्ति की यह पहल स्वागत योग्य है।

अस्पताल प्रशासन को सौंपी ऑक्सीजन कोंस्ट्रेटर मशीन व चार रेगुलेटर

कोरोना महामारी के दौड़ में कई भामाशाह मदद को आगे आ रहे हैं। एक भामाशाह नाथूराम सिरस्वा ने अस्पताल प्रशासन को एक ऑकसीजन कोंस्ट्रेटर और ऑक्सीजन सिलेंडर काम आने वाले चार रेगुलेटर भी भेंट किए हैं। गोरतलब है कि कोरोना महामारी के दौरान कई भामाशाह की ओर से मदद की आवश्यकता है। इसी क्रम में और चार गैस रेगुलेटर मरीजों की सेवार्थ भेंट किए हैं। इससे पहले भी इसी भामाशाह के परिजन शंकर लाल सिरस्वा ने दो खाली ऑकसीजन सिलेंडर अस्पताल प्रशासन को सौंपे थे। ऑक्सीजन कांस्ट्रेटर मशीन भेंट करने के दौरान भामाशाह नाथूराम सिरस्वा, शंकरलाल सिरस्वा, चिकित्सा प्रभारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सेपट, सीनियर लैब प्रभारी मनोज पारीक, थाना प्रभारी कैलाशचंद आदि उपस्थित थे।

श्री विनोद बालोदिया का 13 मई, 2021 को असामयिक निधन होने से हम सभी स्तब्ध हैं। वे कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित, संघर्षशील होने के साथ-साथ मृदु स्वभाव के धनी थे। उन्होंने अपने कार्य एवं व्यवहार से सभी लोगों का दिल जीता। हम सभी उन्हें अपने दिल की अनन्त गहराइयों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मेरे मित्र एवं कुमावत समाज के लोकप्रिय श्री विनोद जी बालोदिया के आकस्मिक निधन पर बहुत दु:ख हुआ वे हंसमुख, सरल व सभी का सहयोग करने वाले समाज प्रेमी व समाज सेवक थे। श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि, ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें । **-मोहनलाल गुप्ता,** पूर्व विधायक एवं प्रथम महापौर ,जयपुर।

विनोद जी सरल स्वभाव व मिलनसार व्यक्ति थे साथ ही कर्मठ समाजसेवी थे। उनके निधन से कुमावत समाज को क्षति हुई है। **-राजेश धुंधारिया,** पार्षद वार्ड नं 48, हेरीटेज नगर निगम, जयपुर एवं व्यवस्थापक मंडल सदस्य कुमावत इंडिया पत्रिका

विनोद जी एक कर्मठ समाजसेवी, सरल स्वभाव व मिलनसार व्यक्ति थे। उनके निधन से समाज को क्षति हुई है।

-राजेश बालोदिया, पार्षद वार्ड नं 135, ग्रेटर नगर निगम, जयपुर।

श्री विनोद जी बालोदिया के आकस्मिक निधन पर गहरा दु:ख हुआ। आप हंसमुख, व्यवहार कुशल, धर्म परायण, कर्तव्यनिष्ठ और समाजसेवी व्यक्ति थे। **-कपिला कुमावत,** पार्षद वार्ड नंबर 59, हेरिटेज नगर निगम, जयपुर

विनोद जी, अच्छे स्वभाव, सहयोग व सामाजिक कार्यों में आगे रहकर सभी के प्रिय थे।

-सुरेंद्र कुमार नागा, वरिष्ठ समाजसेवी व मुख्य संरक्षक, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

बड़े भाई विनोद जी अपने कार्य के प्रति मेहनती,ईमानदार एवं अनुशासित रहे। वे किसी भी मुद्दे पर निष्पक्ष व स्पष्ट बोलते थे, दबंग और छवि के धनी रहे। कुमावत इंडिया पत्रिका का आकर्षक टाइटल आपकी देन रही, पत्रिका के प्रति आप का समर्पण ट्रस्ट कभी भी भूल नहीं पाएगा।

-सी.एम. कुमावत, ट्रस्टी कुमावत प्रगति ट्रस्ट

समाज में महिलाओं ने जब भी मंच से बोलने की हिम्मत की आपने हमेशा उनका उत्साहवर्धन किया। विभिन्न संस्थाओं की महिलाओं की और से आपको अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

-भारती तोंदवाल, सहसम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका एवं संयोजक, 'कुमावत इंडिया' महिला क्लब

यह परिवार एवं समाज के लिए अद्वितीय क्षति है। इनका जीवन सादगीपूर्ण तथा सेवाभावी रहा। व्यावसायिक क्षेत्र में भी वे अपने मृदु व्यवहार और सरल व्यक्तित्व के कारण विशेष स्थान रखते थे।

- गौरव अजमेरा, मंत्री, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

विनोद जी का इस तरह हम सभी को छोड़ जाना एक अपूरणीय क्षति है। अच्छे लोगों को भगवान सचमुच अपने पास ही रखना चाहते हैं। अच्छे लोग दिलों में इस तरह उतर जाते हैं, कि मरने के बाद भी अमर हो जाते हैं।

-चेतन धुंधारिया, संस्थापक, टीम चेतन धुंधारिया

जब हम अपने एक विशेष व्यक्ति को खो देते हैं, समय रुक सा जाता है। वक्त के साथ जख्म तो भर जाएंगे, मगर जो बिछड़े सफर जिंदगी में, फिर ना कभी लौटकर आएंगे।

-जयसिंह गुड़ीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर

विनोद जी एक नेक सज्जन, धर्मपरायण व समाजसेवी व्यक्ति थे। उनके निधन पर दु:खी हूँ।

-लालचंद धुंधारिया, सदस्य, व्यवस्थापक मंडल 'कुमावत इंडिया' पत्रिका, जयपुर

विनोद जी बालोदिया के असामयिक निधन से हम सभी को गहरा दु:ख हुआ है।

-मनोज सिरसवा, ट्रस्टी, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

विनोद जी आप हमारे दिलो मे हमेशा रहोगे आपकी मधुर बाते हमेशा याद आयेंगी। आपका सरल व सादगी भरा जीवन और आपकी कार्यकुशलता हमे सदा प्रेरित करती रहेगी।

-अरुण कसुम्भिवाल, आर्किटेक्ट, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान एवं पीस ऑफ़ इंडिया संगठन प्रभारी दिल्ली व राजस्थान

विनोद अंकल जी से मेरी छोटी सी मुलाकात रानीबाग रिसोर्ट के विषय में हुई परंतु आप का काम के प्रति लगाव देख कर मैं बेहद प्रभावित हुआ। आपकी यादे हमारी प्रेरणा रहेंगी।

-आयुष कसुम्भिवाल, रानीबाग रेसोर्ट कुकस व आर्चर कंस्ट्रक्शन कंपनी।

विनोदजी बालोदिया झुझारू, मेहनती, उदार, स्नेहमयी एवं मदुभाषी थे तथा प्रेरणादायीं जीवन के धनी थे। उनका यू चले जाना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के लिए अपूरणीय क्षति है ।

-लक्ष्मी नारायण घोडीवाल, कोषाध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने निज़ धाम में शरण दे और परिजनों को इस हृदयविदारक दु:ख को सहन करने की आत्मिक शक्ति प्रदान करे। **-नरेंद्र आर्य,** ब्यावर

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के ट्रस्टी सचिव विनोद जी का असमय चले जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

-प्रहलाद कुमावत 'चंचल', ग्राम-जाहोता (जयपुर)

विनोद जी को समाज सेवा मे सदैव अग्रसर रहने एवं हंसमुख, सरल स्वभाव एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सफलता की ऊँचाईयों तक पहुंचाने के प्रयास हेतु उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। **- सुरेंद्र मारोठिया,** व्यवस्थापक मंडल सदस्य, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

विनोद जी सरल स्वभाव व संघर्षशील व्यक्ति थे। प्रिंटिंग के क्षेत्र में इन्होंने राजस्थान में कुमावत समाज का नाम गौरान्वित किया था। **-महेश जलांधरा,** झोटवाड़ा, जयपुर व व्यवस्थापक मंडल सदस्य 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

मेरे मित्र विनोद जी व मेरा पारिवारिक रिश्ता था। समाज के सभी कार्यों में मुझे उनका सदैव सहयोग मिला। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का प्रकाशन कुशलता व शीघ्रता से करने हेतु वे सदा तत्पर रहे। **-हेमचंद खडगटा,** ट्रस्टी, कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं अध्यक्ष, कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

विनोद जी एक गतिशील सोच, कर्मयोगी, अनुशासित एवं अद्भुत व्यक्तित्व के धनी थे। उनके न रहने से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को जो क्षति हुई है वह अकथनीय, शब्दातीत है। उनकी चेतना, कर्मठ एवं कर्तव्य परायणता को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। **-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल),** संपादक, कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका, मंत्री, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर।

श्री विनोद जी हमारी समिति के संरक्षक सदस्य थे। आप सेवाभाव तथा अच्छे व्यवहार के लिए हमेशा जाने जाएंगे।

-बाबूलाल ब्याड़वाल, अध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

श्री विनोद जी बालोदिया सहृदय, आत्मीयता से भरपूर मददगार इंसान थे। उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

-मोहन कुमार बालोदिया, डायमण्ड बालोदिया आर्केस्ट्रा

विनोद भाई साहब छोटों की उपलब्धियों को देखकर तथा खुश हुआ करते थे। आप हमारे एवं समाज के लिए आदर्श एवं प्रेरणा के स्रोत रहेंगे। आपकी कमी जीवनभर रहेगी।

-राजेश मरोडिया, कलर्स इंटरनेशनल स्कूल

हमारे ट्रस्टी व सचिव स्व. श्री विनोद बालोदिया ने सदैव 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का फ्रंटपेज स्वयं की कल्पना शक्ति से बनाया। ट्रस्ट को आपने अमूल्य सुझाव दिए व हर काम में सहयोग दिया। आपके मार्गदर्शन पर यह पत्रिका व ट्रस्ट सदैव चलता रहेगा। **-रमेश गैदर,** अध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

मेरे बड़े पापा (विनोदजी) मुझे न केवल अंगुली पकड़ के चलना सिखाया बल्कि मित्रवत व्यवहार करके कब व्यवसाय करना सिखा दिया पता ही नही चल पाया। आज मैं इस मुकाम पर केवल उनकी बदोलत हूँ। **- रवि बालोदिया**

मेरे पापा ने मुझे अपार स्नेह दिया। उन्होंने मुझे एक पुत्र नहीं बल्कि एक मित्र की तरह व्यवसाय सिखाया। हमें उनकी जीवनभर याद आयेगी। उन्हें सजल नेत्रों से सादर श्रद्धांजलि।

- सुनील बालोदिया, पुत्र

विनोदजी मेरे बड़े भाई ही नहीं बल्कि मेरे पितातुल्य थे। उन्होंने मुझे पूरा स्नेह दिया व हर जगह मुझे साथ रखा। उन्होंने हर फैसला परिवार के हित में लिया। उनके चले जाने से मैंने अपना संरक्षक को दिया है। **- चेतन बालोदिया** (भ्राता), राज ब्लॉक्स

अच्छे-बुरे पलों के साथी का 47 वर्षों का साथ यूं छूट गया विश्वास नहीं होता है। उन्होंने मुझे व परिवार को अपार खुशियां दीं तथा जीवन पर्यन्त व्यवसाय एवं समाज की सेवा की। दिल की गहराइयों से हमें आपकी याद आएगी। आप जीवन पर्यन्त हमारे दिल में रहेंगे। अश्रुपूरित नेत्रों से आदर सहित श्रद्धांजलि।

-श्रीमती शशिकला बालोदिया, धर्मपत्नी

दुनिया के हर एक तंज पर मुझे कहते थे पापा, जो कुछ नहीं कर सकता, वो सिर्फ बातें करता है। ख्यालों में भी मेरा ख्याल रखते थे। मेरे हर दर्द का हिसाब रखते थे। जाते-जाते भी थाली मेरी भर कर गये, मुझे इतना प्यार करते थे। मम्मी कहती है-मेरा दर्द रातों को जगाता था उन्हें, फिर भी सुबह चेहरे पर मुस्कान रखते थे, अगर मैं रास्ता भटक जाऊँ तो मुझे राह दिखाना, जरूरत पहले भी थी आपकी, जरूरत हमेशा रहेगी आपकी। -आपकी बेटी **टिंकल**

श्री विनोद बालोदिया जी के निधन से मुझे अत्यन्त दु:ख हुआ। किन्तु विधि के विधान के समक्ष हम सब नतमस्तक हैं। मैं इस दु:खद समय में आपका सहभागी हूँ।

-अशोक परनामी, पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भाजपा एवं महापौर, जयपुर

श्री विनोद बालोदिया के निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूँ। श्री विनोद जी एक श्रेष्ठ समाज सेवी एवं आदर्श पुरुष थे। मैं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त बालोदिया परिवार को इस अपूरणीय क्षति को वहन करने कि शक्ति प्रदान करे।

-निर्मल कुमावत, सदस्य राजस्थान विधानससभा

अपनी बिटियाओं को आत्मनिर्भर बनाएं

हमारे समाज में लड़कों के जन्म पर खुशी होती थी व इस खुशी का इजहार करने के लिए उनाल (बच्चे की नाल) को जमीन में गाड़ने की रस्म होती थी तब गीत गाये जाते व लड्डू-पताशे आदि बांटो जाते थे।

लगभग 5-7 दिवस बाद 'सूरज पूजन' होता है व जच्चे व बच्चे को नहलाकर पीहर से आए वस्त्र व आभूषण आदि पहनाये जाते हैं। लगभग 25-30 दिवस बाद कुआँ पूजन (जलवा) का कार्यक्रम होता, उस दिन कुँआ पूजन होता, 100-200 लोगों का खाना होता, पीहर पक्ष से भी वस्त्र, आभूष्ज्ञण व उपहार आते तथा खुशियाँ मनायी जाती। यह परम्परा लगभग आज तक चल रही है। ये सब लड़का होने पर ही होता रहा है, लड़की के जन्म पर ऐसा करने की परम्परा नहीं रही।

जरा सोचिये, क्या यह भेदभाव नहीं है ? क्या आज के सभ्य समाज में ऐसा भेदभाव उचित है ? क्या हमें इस पुरातन परम्परा में सुधार नहीं करना चाहिये ? कुछ समाजजनों ने लड़की के जन्म पर भी उतने ही उत्साह से खुशियां मनाई है जितना लड़का होने पर मनाई जाती रही है, वे प्रशंसा के पात्र हैं।

आज हमारे समाज में लड़कियां पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील-जज, टेक्नोक्रेट्स, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा केन्द्र-राज्य में उच्च पदों पर कार्य कर रही हैं। क्या यह कम बात है ? वहीं हमने देखा कि लड़कियां अपने माँ-बाप की वृद्धावस्था में सेवा भी कर रही हैं। पिता के निधन पर अंतिम संस्कार करना व पगड़ी के दस्तूर में जिम्मेदारी लेते हुए पगड़ी धारण करना भी देखा (जो इस पत्रिका में प्रकाशित भी हुआ) फिर क्यों नहीं लड़कियां बराबरी की हकदार हैं ? जरूरत है उन्हें हम निर्भिक बनायें, उच्च शिक्षा दिलाएं, वाहन चलाना सिखाएं, आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करायें तथा उन्हें आत्मनिर्भर, सक्षम एवं आत्मविश्वासी बनाये। आजकल शादी के वक्त लड़के योग्य व नौकरी पेशा लड़की से शादी करना चाहते हैं। अत: लड़की को उक्त शिक्षा दिलाना एवं आत्मनिर्भर बनाना ही सबसे बड़ा कन्यादान है। नौकरी के लिए कई बार पति-पत्नी को अलग-अलग शहरों में रहना पड़ सकता है, तब एक निर्भीक व आत्म विश्वास वाली स्त्री अकेले अलग शहर में रह सकती है अन्यथा नौकरी छोड़नी पड़ सकती है।

शादी के बाद कुछ मामलों में क्रूरता तथा दमन के कारण असुरक्षा के कारण अलग रहने अथवा तलाक जैसी स्थिति भी आ जाती है कि गृहस्थिरूपी गाड़ी चल नहीं पाती तथा एक पहिये को अलग होना पड़ता है। ऐसे में एक स्त्री कहीं-कहीं अपने पिता के घर में भी नहीं रह पाती। समाज उसका साथ नहीं देता व उसकी जिन्दगी मुश्किल बना देताहै। यदि उसके छोटे बच्चे हैं तो मुश्किल और बढ़ जाती है। पर एक सशक्त आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी स्त्री इन सब कठिनाइयों के अकेले भी अपने को सम्भाल सकती हैं। अत: प्रारम्भ से ही हमें अपनी बच्चियों को योग्य बनाना होगा उन्हें भावनात्मक व मानसिक रूप से मजबूत बनाना होगा। इससे भी ज्यादा जरूरी है। परवरिश के दौरान बेटे-बेटी में भेदभाव नहीं रखे। इसका सकारात्मक पहलू भी है। पति व पत्नी दोनों आत्मनिर्भर हैं तो शीघ्र ही वे गाड़ी, घर व सुखसुविधाएं अर्जित कर लेंगे। वे अपनी भावी संतानों को अच्छी शिक्षा दिलाने पर आसानी से खर्च करने में समर्थ होंगे। ऐसे दम्पत्ति अपने परिवार व समाज को आवश्यकता होने पर आर्थिक सम्बल भी दे पायेंगे। दोनों सक्षम होंगे तो स्वयं व परिवार के समक्ष आयी अनेक समस्याओं का आसानी से समाधान कर पायेंगे।

- मेधावी कुमावत

मृत्यु बाद बैठक नहीं

पीसांगन में 50 फीसदी आबादी कुमावत समाज की है। पीसांगर में 17 दिनों में करीबन 28 मौतें हुई हैं। इनमें 17 जने कुमावत समाज से हैं। कुमावत चमालिसा समाज के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश नेहरा और समाज के अध्यक्ष छीतरमल रेणीवाल ने बयान जारी कर समाज बंधुओं से कोरोना महामारी के मद्देनजर मृतक परिजन को तीये की बैठक के बाद कोई बैठक नहीं करने का आग्रह किया है। सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक नेमीचंद दादरवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुन्नालाल धनेरिया व सेवानिवृत्त वरिष्ठ अध्यापक चन्द्र प्रकाश कुमावत ने कहा कि सामाजिक बुराई का खात्मां करने के लिए सभी को आगे आना चाहिए ओर ऐसे समय में सरकार का पूरा सहयोग करना चाहिए।

कुमावत समाज ने दिए 30 मेडिकल गद्दे

कोरोना संकट के साथ ही शहर के सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाओं के विस्तार के लिए भामशाह आगे आने लगे हैं। कोविड सेंटर में 6 ऑक्सीजन कंसट्रेटर की उपलब्धता के साथ-साथ शहर के कुमावत समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सीएचसी प्रभारी आर.पी. सेपट व नर्सिंग ऑफिसर रमेश कुमावत को 30 मेडिकल गद्दे सौंपे। इस अवसर पर भंवरलाल जेठिवाल, मालीराम कुमावत, भीवाराम पिपलोदा, गोपाल मारोठिया, दामोदर सिरस्वा, लादूराम बासनीवाल, बनवारी लाल कुमावत, नाथूराम सिरसवा, सांवरमल जेठीवाल, रामस्वरूप बड़ीवाल, बनवारी लाल आदि मौजूद थे।

मनुष्य समाज @ सामाजिक बुराई

मनुष्य समाज एक स्वयं में सामाजिक बुराई हैं, बचपन से सामाजिक विज्ञानों में पढता और सुनता चला आ रहा हूँ कि समाज सभी जीव-जन्तुओं में पाया जाता है पर एक अमूलचूल अंतर है , जब हम समाज की कल्पना जीव-जन्तुओं के लिए ही करते है तो उसे जैविक समाज कहा जाता है , इसके पीछे तर्क यह दिया जाता है कि जींव-जन्तु का समाज संस्कृति विहीन होता है यानि उनमे समाज की कल्पना बस तभी तक अस्तित्व में रहती है , जब तक बच्चा खुद चलने योग्य नही हो जाता है या खाने के योग्य नही हो जाता है। लेकिन मनुष्य के सन्दर्भ में ऐसा नही है क्योंकि मनुष्य स्वयं को पृथ्वी की सबसे सुन्दरतम कृति कह कर संस्कृति का निर्माता बन गया। संस्कृति नाम सुनने में आसान लगता है और ऐसा प्रतीत होता है कि हम सब इसके बारे में सब कुछ जानते है पर ऐसा है नहीं। क्योंकि संस्कृति को मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन जीने के तरीके के रूप में कह कर परिभाषित कर दिया गया परन्तु सम्पूर्ण जीवन जीने का तरीका क्या है? और वो तरीके क्या वास्तव में समाज का निर्माण करते है या नही , यह एक विचारणीय प्रश्न है । इसलिए सबसे पहले हम सबको सांस्कृतिक समाज के बारे में गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए जो हम सब मनुष्यों को जानवरों के जैविक समाज से ऊपर ले जाता है ।

संस्कृति जीवन जीने का तरीका है, वही समाज संबंधो का जाल है पर संबंधों के इसी जाल ने कुछ समय तक अपना प्रभावी रूप बनाये रखा । जैसे जैसे जनसँख्या बढती गई और मनुष्य एक परमार्जित खानाबदोशी की तरफ बढ़ा, जनसंख्या का विस्तार हुआ और जीवन में प्रबंधन एक कठिन कार्य हो गया। जिस उद्देश्य को लेकर नातेदारी को बनाया गया था, वही नातेदारी सबसे बड़ा प्रश्न बन कर मनुष्य के सामने आ गया... जैसे भाई और बहन के दायित्व में भाई की भूमिका ऐसी हो गई कि वो सैद्धांतिक रूप से बहन का रक्षक रह गया और जिस कल्पना को लेकर राखी जैसा पर्व शुरू हुआ था वो सिर्फ अलंकारिक ज्यादा रह गया... आज दहेज़ के लिए जलाई गई लड़की का भाई स्वयं कोई कार्यवाही नही कर सकता बल्कि उसे न्याय व्यवस्था के पास जाना है । भले ही वो जानता हो कि उसकी बहन कि दुर्गति का जिम्मेदार कौन है? क्या समाज में भाई बहन का योगदान सिर्फ कागज पर रह गया? इसके अलावा समाज में यौन संबंधो की अनियमितता को रोकने और संतान की जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने के लिए विवाह जैसी व्यवस्था लायी गई पर समाज में जितना बड़ा प्रश्न चिन्ह इस संस्था पर है उतना किसी दूसरे पर नही । पहला प्रश्न अगर यह यौन संबंधो को नियमिय करने वाला साधन था तो वेश्यावृति कहा से समाज में आई , जब सभी को सम्मानजनक तरीके से जीने का अधिकार है तो औरत समाज में एक अनैतिक समझे जाने वाले काम में खुद तो आई नही होगी और अगर विवाह से यौन संबंधो को नियमित किया जाना संभव था तो वेश्यावृति क्यों समाज में आई? और अगर यह कार्य समाज निर्माताओ द्वारा ठीक माना जा रहा था तो वेश्यावृति करने वाली महिलाओ को गरिमापूर्ण जीवन क्यों नही प्राप्त था? समाज को बनाने में तो मानव ने सारा श्रेय यह कह कर ले लिया कि वह जानवरों से ऊपर है पर जिस तरह से उसने प्रकृति को हानि पहुचाई उससे तो कहीं नही लगता कि मनुष्य ने समाज के निर्माण से कोई ज्यादा बेहतर कार्य किया ।

समाज में एक अन्य समस्या उभरी और वो समस्या है गरीबी! लोगों ने आज करीब करीब पूरी पृथ्वी पर कब्जा कर लिया है और जो भी अतिरिक्त मनुष्य यह है वो गरीबी का शिकार है पर जानवर गरीबी जैसी समस्या से परेशान नहीं है क्योंकि आज भी वो प्रकृति पर निर्भर है । इस बात से यह भी स्पष्ट है कि अपने आरंभिक चरण में तो समाज का निर्माण एक अद्भुत प्रयास था पर बाद में यह प्रयास ही मनुष्य और मनुष्यता के लिए अभिशाप बन गया । कोई भी प्राणी गर्भपात नही कराता न ही उसकी जनसँख्या भस्मासुर की तरह बढ़ती है , न तो किसी जंगली जानवर के खाने से शाकाहारी जंतु ख़त्म हुए और न हो रहे है पर मनुष्य के एक प्रयास सांस्कृतिक समाज के निर्माण में न सिर्फ पूरे पर्यावरण को बर्बाद कर डाला बल्कि स्वयं मनुष्य अपने जीवन को चलाने में असमर्थ दिखाई दे रहा है।

बेरोजगारी , आतंकवाद , सब कुछ इसी निर्माण का परिणाम है तो क्या समाज स्वयं में एक बुराई नहीं है? निश्चित रूप से समाज एक बुराई ही है । जैसे एक सूक्ष्म मात्रा में जहर भी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है , उसी तरह अपने आरंभिक चरणों में समाज का निर्माण मनुष्य के जीवन को सुगम बनाने के लिए अचूक प्रयास था पर उसी के साथ जनसँख्या पर नियंत्रण न करना और खुद को प्रकृति का स्वामी समझ लेना मानव के लिए स्वयं दुखदाई हो गया और समाज एक अभिशाप बन गया , प्रकृति की अपेक्षा मुद्रा आधारित जीवन ने भुखमरी को ज्यादा फैलाया, गरीबी को बढाया और मानसिक रोग को जन्म दिया। कैंसर , टी बी जैसी बीमारी हर घर पर दस्तक दे रही है पर समाज के पास इसका कोई अचूक इलाज नही है और आगे बढ़ने के सिवा कोई चारा नही है जबकि आगे सिर्फ अँधेरा ही दिखाई दे रहा है पर मनुष्य अब समाज के भस्मासुर के आगे विवश है, तो क्या हम सब को समाज को नकार देना चाहिए? शायद हां ! पर उसके लिए अब समय ही नही है क्योकि समाज खुद एक ऐसी बुराई के रूप में हमारे अन्दर समा चुकी है जिसको अपनाये बिना हम जिन्दा भी नही रह सकते पर जनसँख्या को रोक कर इसका इलाज किया जा सकता है । पर प्रश्न यही कि जनसँख्या रोके कैसे ? क्या संतान न पैदा करे? क्या विवाह न करे? तो फिर नैसर्गिक आवश्यकताओं की पूर्ति कैसे होगी? क्या जानवरों की तरह फिर हम यौन उन्मुक्त समाज स्वीकार कर ले? क्या यह एक और समाज की सामाजिक बुराई नही है?

- मुकेश कुमावत बोराज, जयपुर

कोरोना के दौर में महिलाओं की चुनौतियाँ

पिछले वर्ष मार्च से कोरोना महामारी के प्रथम पेज से हुए लॉकडाउन से लेकर नवम्बर-दिसम्बर तक तथा इस वर्ष कोरोना के द्वितीय फेज ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। स्कूल, ऑफिस, व्यवसाय स्थल आदि बंद होने से सभी लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में एक महिला की चुनौतियाँ, कर्तव्य व दायित्व बहुत ज्यादा बढ़ गये हैं। सुबह उठने से लेकर सोने तक एक महिला निरन्तर कार्य में व्यस्त रहती है व परिवारजनों का ख्याल रखती हैं। पहले घर का कार्य व बच्चों की परवरिश ही उसकी जिम्मेदारी थी। माँ एक खुशनुमा आंचल होती है वह अब बच्चों को पढ़ाना, ऑनलाईन क्लासेज का ध्यान रखने के साथ सभी की फरमाईशों को पूरा भी कर रही हैं। साथ ही सजग रहकर सभी की सुरक्षा का ध्यान रखना भी पड़ रहा है। स्कूल बंद होने से एवं घर के बाहर खेलना बंद होने से बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं। अत: माँ को उनके मनोरंजन का भी ध्यान रखना होता है। आखिर माँ अपने बच्चों का मिजाज समझती है उनकी तबीयत का ख्याल रखती है व हर विकट स्थिति में डंटकर खड़ी रहती है।

कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां इस दौर में दोहरी हो गयी हैं उन्हें घर के इन कामों के साथ दफ्तर की जिम्मेदारियों को भी घर से उठाना पड़ रहा है।

घर में बुजुर्ग हैं तो उनके खाने-पीने, दवा आदि का ध्यान भी रखना उसकी जिम्मेदारी है। आजकल घरों **में नौकरों का आना-जाना भी बंद सा है, जिसके कार्यों को करने की जिम्मेदारी भी महिलाओं पर आ पड़ी है। इससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक जाती है। आखिर वह भी इंसान हैं, उसकी भी भावनाएं हैं आराम की उसको भी जरूरत है।** पर वह नारी है जो सभी का ख्याल रखती है, बच्चों व परिवार की खातिर वह खुद को भूल जाती है।

महिलाओं की इन समस्याओं का घर के पुरुषों को भी समझना जरूरी है तथा जहाँ तक हो सके घर के काम में हाथ बंटाना चाहिये। कम से कम स्वयं के काम स्वयं करें व बच्चों से ही छोटे-मोटे काम करने को कहे। घर के अन्य सदस्य बच्चों के व्यक्तित्व के विकास की ओर सकारात्मक कदम उठाये तथा बच्चों के मन और भावनाओं को सही दिशा देवें। कोरोना का यह दौर भी गुजर जायेगा। यह भी ध्यान रखें की घर की महिलाएं काम के बोझ से तनाव में नहीं आये व उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर नहीं पड़े। घर के सभी सदस्यों के सहयोग से ये दिन कट जायेंगे व हम सभी अच्छे दिन आने तक ऐसा करते रहें। इस विपदा को हम सभी एक अवसर के रूप में लेवें। अपनी रुचि के अनुरूप सृजनात्मक कार्य करके समय गुजारें। व्यायाम व योग द्वारा घर के सभी लोग अपनी सेहत ठीक रखें व एक दूसरे के सुख-दु:ख में साथ देवें। **यदि स्त्री काम के बोझ से बीमार पड़ी तो बाकी घरवालों की क्या स्थिति होगी इसका भी पहले से ही आंकलन कर लेंवे तो अच्छा होगा।** अत: पुन: गुजारिश है कि इन दिनों पुरुष अपने अहं भाव को त्याग दे तथा घर के काम में हाथ बंटाये, यही उचित है।

-रमेश कुमावत (गैदर)

श्रीमति किशनी देवी 113 वर्षीय का देहावसान

श्रीमति किशनी देवी भरोदिया निवासी दातां रामगढ़ का 5 मई 2021 को सुबह 08:50 पर देवलोकगमन हो गया है। वह परिवार धन्य है जिसको इनका इतने लंबे समय तक आशीर्वाद बना रहा।

समाज की इतनी वृद्ध महिला सदस्य के निधन पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजली।

कविता

बेटियां

आज सतत बढ़ रही बेटियां।
शिखर नये चढ़ रही बेटियां।
यह बन्दिश में पलने वाली।
रीत - रिवाजों ढ़लने वाली।
अबला वाली कथा कहानी।
झुठलाकर वो सोच पुरानी।
मिथक नये गढ़ रही बेटियां।
शिखर नये चढ़ रही बेटियां।
बेटा - बिटिया भेद न मानें,
यह संकल्प सभी जन ठानें।
वैज्ञानिक, तकनीकी शिक्षा,
खेल जगत, मेडिकल, रक्षा।
सकल व्योम उड़ रही बेटियां।
शिखर नये चढ़ रही बेटियां।।
सपनों का संसार सजाकर,
अरमानों के पंख लगाकर।
देश धर्म की आन-बान का,
नारी के सम्मान मान का।
ताज नया गढ़ रही बेटियां।
शिखर नये चढ़ रही बेटियां।।
आज सतत बढ़ रही बेटियां।
शिखर नये चढ़ रही बेटियां।।

प्रहलाद कुमावत 'चंचल'

दामोदर प्रसाद कुमावत

संस्थापन अधिकारी से सेवानिवृत्त

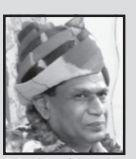

आपका जन्म 3.3.1961 को स्व. श्री ग्यारसी राम कुमावत एवं स्व. श्रीमती प्रभाती देवी गैदर, विनोबा बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर के यहां हुआ। आपकी शैक्षणिक योग्यता एम.कॉम. रही। सन् 1982 में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होकर दिनांक 1.5.1986 को राजकीय सेवा में कनिष्ठ लिपिक के पद पर नियुक्त हुए तथा दिनांक 31.3.2021 को जिलाधीश कार्यालय जयपुर से प्रथम संस्थापन अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए। आपके पुत्र लेखराज कुमावत कोष कार्यालय सचिवालय जयपुर में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है तथा पुत्री चंचल कुमावत बी.एड. अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है। आपका ससुराल श्री रामपाल जी कुमावत (से.नि. लेखाधिकारी वित्त) बारावाल सोड़ाला है।

क्या है एबीसीडी भक्ति की ?

ईश्वर की प्रेममयी सेवा ही भक्ति है। मनुष्य जीवन दुलर्भ माना गया है, इस जन्म को सार्थक करने के लिए भौतिक लाभ की भावना से रहित होकर ईश्वर आराधना करना चाहिये। भगवान शाश्वत चित और आनन्द के विग्रह होते हैं तथा हमारा जीव उनका अंश मात्र है। यह जीव भगवान की भक्ति से विमुख होकर जन्म, मृत्यु, बीमारी, व्याधि आदि दु:खों से गुजर रहा है। इनसे छूटकारा पाने का एक ही मार्ग है वह है भक्ति मार्ग। भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए पहले मन-कर्म के विकारों से रहित होवे फिर ईश्वर की लीलाओं का स्मरण व मनन करें, भक्ति साहित्य पढ़ें था भगवान के दिव्य नामों का जाप पूर्ण श्रद्धा से करें। भक्ति की एबीसीडी निम्नानुसार है:-

ए-हम साधु संगति करें अर्थात सद्कर्मों के संग रहें, भक्ति के आचार्यों के उपदेशों को सुने व उन्हें जीवन में उतारें। यह भक्ति का श्रेष्ठ मार्ग है। जो व्यक्ति प्रभु की कथाओं के श्रवण, संकीर्तन में लीन तथा भगवान की लीलाओं का सदा स्मरण करते रहते हैं उनकी संगति हृदय में सुसुप्त लेवें।

बी-भक्ति मार्ग की ओर अग्रसर होने के लिए भक्ति साहित्य जैसे रामायण, रामचरित मानस, भगवद्गीता आदि का निरन्तर अथवा नित्य अध्ययन करके मन के अन्धकारों को दूर करें व ईश्वर श्रद्धा को परिपक्व करें। भक्ति साहित्य केा नकारना या उन पर सन्देह करना ज्ञानी श्रद्धालुओं का कार्य नहीं है किन्तु वर्तमान परिपेक्ष्य में कोई बात असंगत लगे तो उतना सा प्रसंग छोड़ा जा सकता है।

सी- इस कलियुग में भगवान के नामों का स्मरण व मंत्रोपचार करके जप करना भक्ति का सरलतम मार्ग है। चैतन्य महाप्रभु ने शिक्षाष्ठकम् में श्री कृष्ण के संकीर्तन को चित्त की मलिनता को साफ करने का सर्वोतम उपाय बताया है। चाहे 'राम' चाहे 'कृष्ण' चाहे अन्य कोई देवता के नाम का जप या स्मरण करके भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ा जा सकता है।

डी-हमारा भोजन शुद्ध व सात्विक हो तथा दोषों से रहित है तो यह भोजन प्रभु का 'प्रसाद' बन जाता है। यह भोजन हमें न केवल भक्ति मार्ग पर बढ़ाता है अपितु हमें नि:रोगी रखने, दीर्घायु देने, स्मरण शक्ति बढ़ाने वाला भी होता है। हमें दूध, चावल, सब्जियों, फलों, अन्न से निर्मित भोजन ग्रहण करना चाहिये। किन्तु प्याज, लहसुन, चाय-कॉफी, मदिरा, मांस, सिगरेट आदि का सेवन नहीं करना चाहिये।

भक्ति की एबीसीडी के पालन से मानव भक्ति मार्ग की ओर अग्रसर होगा। वह जीव-मात्र से प्रेम करेगा पशु-पक्षियों की सेवा करेगा तथा आत्म शुद्धि द्वारा ईश्वर भक्ति में लीन होकर प्रभु की शरण में जाने व स्वयं को समर्पित करने पर ही यह जीवन सार्थक हो सकेगा।

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा बंदरों को खिलाये तरबूज

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कालख बांध, जोबनेर में बेजुबान जानवरों के लिए 1100 किलो तरबूज भिजवाये गये। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि लॉकडाउन के कारण टीम के सदस्य शंकरलाल कुमावत व स्थानीय निवासियों के सहयोग से तरबूज वहाँ पहुँचाये गये। कालख बांध शहरी क्षेत्र से दूर होने के कारण वहाँ भामाशाह व दानदाता नहीं पहुँच पाते हैं। जिससे इस भीषण गर्मी के दौर में ये बेजुबान जानवर भूखे प्यासे रहने को मजबूर हैं।

टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने के लिए पृथ्वी पर जीव-जन्तुओं का अपना महत्व है। ईश्वर ने सोच-समझकर ही इस सृष्टि पर जीवों का सृजन किया है। बेजुबान पशु-पक्षियों की रक्षा करना भी मानव का धर्म व कर्तव्य है। ऐसे में हमें जानवरों की मदद करते रहना चाहिए क्योंकि पशु-पक्षी व जानवर अपना दुख-दर्द व आवश्यकता हमसे साझा नहीं कर सकते। इसलिए इस वैश्विक महामारी कोरोना के कठिन समय में हमें जीवों का भी ध्यान रखना है। हमें यथासंभव उनकी प्राणरक्षा के लिए सहायता करते रहना चाहिए।

नौ- सैनिक रवि कुमावत को साहसिक कार्य के लिए सेल्यूट

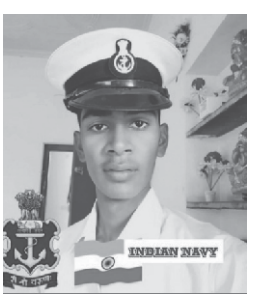

अरब सागर में आये 'ताउते' तूफान में फंसे 4 जहाजों के यात्रियों को निकालने के लिए भेजे नौ-सेना के मिशन में रवि कुमावत पुत्र रामेश्वर लाल कुमावत निवासी खेजड़ावास को भी भेजा गया था। इस मिशन को कामयाब बनाने ने रवि कुमावत की महत्ती भूमिका रही।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार **इनके व इनके साथियों को जोश व साहस के साथ यात्रियों** को बचाने के लिए सेल्यूट करता है।

श्री लालचन्द धुंधारिया के सुझाव व विचार

कुमावत क्षत्रिय समाज वर्तमान में तीव्र गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। जगह-जगह समाज भवन, मंदिर बनवाने एवं अयोध्या में श्रीराम मंदिर व अन्य संस्थाओं में आर्थिक सहयोग करने में अन्य समाजों से कम नहीं है। सामाजिक पत्रिकाएं सम्पूर्ण भारत की सूचनाएं समाज के समस्त जनमानस तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। इन सभी की कार्यप्रणाली एवं सेवाभाव से हम गौरवान्वित हैं। लेखक इन पत्रिकाओं एवं सामाजिक संस्थाओं एवं समस्त समाजबन्धुओं का ध्यान निम्न बिन्दुओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है, शायद आपको उचित लगे:-

(1) यह है कि समाज भी सरकारी विधान के अनुसार अपनी पहचान राजनीति में बना ले तो इसमें क्या बुराई है ?

(2) यह है कि राजनीति के अनुसार नगर पालिका/ परिषद/ निगम/ ग्राम पंचायत /विधानसभा/लोकसभा क्षेत्र के अनुसार यदि समाज की जनगणना करवा ली जावे तो जब भी चुनाव हो समाज को वोटर्स की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस सम्बन्ध में पूर्व में भी प्रयास किया गया था, जिसमें श्री मगनलाल राजोरिया द्वारा बनाई गई सूची अनुकरणीय है। इसमें परिवार का विवरण एवं गोत्रवाईज भी संख्या अंकित थी। इस कार्य में अन्य समाज बन्धुओं ने भी सूचियां बनाई थी किन्तु अज्ञात कारण से आगे प्रगति नहीं हो पाई। इनके अलावा बरकत नगर टोंक फाटक कुमावत क्षत्रिय विकास समिति ने भी गत 15-20 वर्ष में परिवार के सदस्यों के नाम, उम्र, शिक्षा, व्यवसाय विवाहित/अविवाहित सहित अनेक सूचना सहित तीन पुस्तकें प्रिन्ट हुई थी। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर भी जनगणना करके निरन्तर परिचय पत्रिका **'स्नेह सेतु'** का 3-4 वर्ष के अन्तराल से प्रकाशन कर रही है। ये आज भी देखी जा सकती हैं इनके प्रयास भी समाज शक्ति के अनुकरणीय हैं। मैं समझता हूँ कि पूरे भारत के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयास किये हों, ज्ञात नहीं ?

(3) यह है कि सभी प्रयासरत समाजबन्धुओं, संस्थाओं को कोटी-कोटी धन्यवाद। इस सम्बन्ध में मेरा आपसे निवेदन है कि ऐसी पुस्तकें वार्ड/पंचायत/विधानसभा/लोकसभा क्षेत्रवाइज छपाई जावें एवं हर परिवार की सूची में उसका वार्ड नम्बर, विधानसभा/लोकसभा का नाम अवश्य अंकित करें। इस संबंध में आज भी अनेक नागरिकों को इस संबंध में जानकारी नहीं होती। इस तरह पुस्तकों से उनको इधर उधर जानकारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि किसी समिति का कार्यक्षेत्र विशाल है तो 2-4 वार्डों की भी एक पुस्तक हो सकती है।

(4) यह है कि यदि ऐसी पुस्तकें वार्ड/पंचायत/ विधानसभा /लोकसभा वाईज छपने लगे तो कुमावत समाज में वर्तमान एवं भावी वोटर्स का आंकलन से संख्या स्पष्ट हो पायेगी और समाजजन ताल ठोककर किसी भी राजनैतिक दल को चुनौती दे सकते हैं और समाज के उम्मीदवार को टिकिट के लिए किसी दल के पास भटकने की आवश्यकता नहीं होगी।

(5) यह है कि इन पुस्तकों में परिवार की पूर्ण जानकारी मिलने से इसके फायदें शिक्षा/राजकीय समस्याएं-पानी, बिजली, टेलीफोन के लिए ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि अनेक समाजबन्धु जो डॉक्टर, इंजीनियर, एडवोकेट, लेखक, खिलाड़ी, व्यापारी, ज्योतिषी, कान्ट्रेक्टर, मिस्त्री, वास्तुविद, इलेक्ट्रीशियन, फोटोग्राफर आदि है क्षेत्र में ही मिल जायेंगे। इसके अलावा अविवाहितों के गोत्र व अन्य विवरण भी होने से आपको विवाह सम्बन्ध करने में सहायता मिलेगी।

उपरोक्त बिन्दुओं में कोई गलती हो तो क्षमा प्रार्थी हूं।

कोरोना योद्धा श्री नानू राम कुमावत

1 अगस्त 1985 को बैथाड़ियों की ढाणी आसलपुर में जन्मे पांच संतानों में दूसरे नम्बर पर श्री नानूरामजी खेल व समाज सेवा में बचपन से ही अग्रणी रहे। 12वीं व स्नातक प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। एनएसएस में रहकर एड्स जैसी बीमारी से लोगों को जागरूक किया।

धार्मिक आयोजन में आपकी भरपूर भागीदारी रहती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी आपने इतिहास व भूगोल स्कूल व्याख्याता के रूप में पढ़ाया है। आपने समाज के बच्चों के लिए भी नि:शुलक कोचिंग की व्यवस्था की है। सामाजिक व विवाह समितियों में भी आप जुड़े रहे हैं।

कोरोना काल में आपने लगातार एक यौद्धा के रूप में लम्बे समय तक भोजन व राशन सामग्री का वितरण किया। कई संस्थाओं ने आपको प्रशस्ति पत्र के रूप में सम्मानित भी किया। सन् 2020 में आपने वार्ड प्रत्याशी के रूप में अपनी पहचान बनाई।

समाज व देश सेवा हेतु आप सार्वजनिक जीवन जी रहे हैं।

श्रीमती राजकुमारी टांक (धर्मपत्नी श्री गोविंद सिंह जी टांक, महापौर , नगर निगम, उदयपुर व पूर्व चैयरमैन, राजस्थान लोक सेवा आयोग) का 2 मई 2021 को आकस्मिक निधन होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सादर श्रद्धांजलि। - **सम्पादक**

।।सादर श्रृद्धांजलि ।।

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को
हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया मो. 9829017584, 8209687840

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

श्रद्धांजलि

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के सचिव

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का 13 मई 2021 को असामयिक निधन होने की सूचना
से अत्यंत दुःखी हूँ।
मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इन्हें अपने चरणों में स्थान
देवें तथा परिवारजनों, रिश्तेदारों, स्टाफ तथा मित्रों को इस
दुःख को सहन करने की शक्ति देवे।

श्रद्धान्वत

रमेश कुमावत (गैदर)

अध्यक्ष, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका (कुमावत प्रगति ट्रस्ट), जयपुर
अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

स्व.श्री जगन्नाथ जी अजमेरा 102 वर्षीय

बाजनी तलाई, सांगानेर, जयपुर निवासी 102 वर्षीय श्री जगन्नाथ सहाय जी अजमेरा का 22 अप्रैल 2021 को निधन हो गया। अजमेरा परिवारों में आप सबसे वयोवृद्ध व सम्मानित व्यक्ति थे।

इनका जन्म वर्ष 1919 में बाजनी तलाई, सांगानेर, जयपुर में श्रीमति फरकली देवी व श्री ग्यारसी लाल जी के किसान परिवार में हुआ, इनका बचपन कृषि कार्य में बीता। ये अच्छे कारीगर थे व इनका तकनीकी ज्ञान उम्दा था। इनका विवाह वर्ष 1937 में पार्वती देवी सुरल्या के साथ संपन्न हुआ जो अभी 97 वर्ष की है। इन्होंने कृषि कर्म के साथ जयपुर की ग्लास फैक्ट्री व क्लार्क्स आमेर होटल के निर्माण में भी अपना योगदान दिया। आप मृदु स्वभाव के थे एवं समाजसेवा में अग्रणीय रहते थे। आप शिक्षा के महत्व को जानते थे व अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई। आपके बड़े पुत्र श्री सोहन लाल अजमेरा MA, LLB है तथा P&T विभाग में आडिटर से सेवानिवृत है। आपकी पुत्रवधु स्व.आशादेवी, कुमावत क्षत्रिय महासभा की अध्यक्षा भी रही थी। वहीं पौत्रवधु श्रीमती पूनम कुमावत स्टोन आर्टिकल्स के निर्माण व निर्यात का कार्य कर रही है जिन्हें इस कार्य के लिए अनेक पुरष्कारों से नवाजा जा चुका है।

श्री जगन्नाथ जी अपने पीछे पांच पुत्र : सर्वश्री सोहनलाल, राजेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, राजेश कुमार व पूरण कुमार पुत्रियां : पताशी बाई व कमला तथा 9 पौत्र व 7 पोत्रियां का भरापूरा परिवार छोड़ कर गए है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार ऐसे समाजजन को नम आंखों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि देता है।

संक्षिप्त परिचय : श्री सुरेन्द्र कुमार 'राज' (खोवाल)

श्री सुरेन्द्र राज का जन्म 2.4.1944 को पिता श्री गजानन्द जी खोवाल माता श्रीमती बरजी देवी, ग्राम श्रीराम नगर (मोटड़ी) जिला जयपुर में हुआ। आपका परिवार लालकोठी आकर बस गया। यहां से आपने B.A.,L.L.B. तक शिक्षा प्राप्त कर राजस्थान विद्युत मण्डल में कनिष्ठ लिपिक के पद पर सन् 1985 से कार्य करते हुए वरिष्ठ लिपिक तथा लेखाकार के पद से सेवानिवृत्त हुए। 21 मार्च, 1994 को राजस्थान राज्य विद्युत कर्मचारी फैडरेशन (इन्टक) अध्यक्ष पद पर विजय हुए और वर्षों तक इस पद पर बने रहे।

स्व. श्री शंकर लाल मास्टर तथा सुरेन्द्र राज ने लालकोठी योजना बनने में सरकार को पूरा सहयोग रहा। कुमावत विद्यालय, सोडाला कार्यकारणी में प्रारम्भ से कार्यकारणी सदस्य, संयुक्त मंत्री, मंत्री आदि पदों पर रहे। गत 11 वर्षों से स्कूल कार्यकारणी में मंत्री, उपाध्यक्ष तथा गत 4-5 वर्षों से कोषाध्यक्ष पद पर रहे, कार्यकारिणी सदस्यों में वे सबसे वरिष्ठ सदस्य थे।

कुमावत सामूहिक विवाह समिति में 8-10 वर्षों तक कार्यकारी अध्यक्ष रह कर बहुत सेवायें की। कुमावत जनमंगल ट्रस्ट में सन् 1944 में 'कौन-क्या-कहाँ' निर्देशिका के प्रकाशन में सम्पादक मण्डल में रहकर प्रकाशन किया। अन्त तक कुमावत जनमंगल ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे। आपने तथा श्री फूलचन्द किरोड़ीवाल ने कर्मचारी अधिकारी सेनानी समिति बनाकर सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करती थी।

पारिवारिक : इनका विवाह 23 मई 1967 को पिता श्री रामनाथ नीमीवाल माता श्रीमती गुलाब देवी के परिवार ढाणी कारीगरान, फुलेरा में सम्पन्न हुआ। आपके दो विवाहित पुत्रियां सुनीता एवं सविता था 2 सुपुत्र देवेन्द्र राज एवं श्री उपेन्द्र राज वैवाहित हैं। दोनों भ्राता हैण्डीक्राफ्ट का व्यापार वर्षों से कर रहे हैं, दोनों के एक-एक पुत्र है। आपका निवास-ई 712, लालकोठी योजना, विधानसभा के पीछे, जयपुर-302015 है।

आपका स्वर्गवास 23.4.2021 को कोरोना के कारण हो गया था। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से इन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को

हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

भारती-रमेश तोंदवाल

60,जयजवान कॉलोनी II, टोंक रोड, जयपुर मो. 9414810584

विज्ञापन

नि:शुल्क वेबिनार का आयोजन

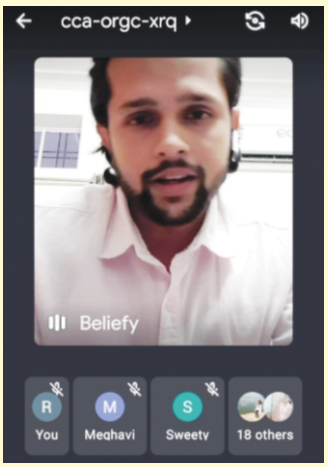

कुमावत इंडिया पत्रिका व टीम चेतन धुंधारिया के संयुक्त ततवावधान में नि:शुल्क वेबिनार Vol. 1 Key to Successful Communication, Vol. 2 How to talk Professionaly का आयोजन किया गया। वेबिनार में स्पीकर परितोष कुमावत थे। प्रतिभागी ज्यादा होने के कारण वेबिनार का आयोजन दो सेशनों में किया गया। पहला सेशन 2 मई 2021 को प्रात: 11 बजे से 12 तक तथा द्वितीय सेशन सायं 4.00 बजे से पारितोष कुमावत Management Trainer and Facilitator ने Vol. 1 में संवाद तकनीक, कैरियर में अंग्रेजी का महत्व, संवाद व अंग्रेजी में सुधार के टिप्स व ट्रिक्स, आत्मविश्वास को कैसे बढ़ाये, पब्लिक मीटिंग्स में बोलने की झिझक को कैसे दूर करें, व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास कैसे करें आदि बिन्दुओं पर विस्तार से बताया। Vol. 2 में 9 मई 2021 को श्री पारितोष कुमावत ने बताया कि कैसे हम अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में वार्तालाप करना चाहिए तथा जिससे अपना प्रभाव स्थापित हो, इसकी उन्होंने अनेक ट्रिक्स बताई। वेबिनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी व ज्ञानवर्द्धक बताया। वेबिनार का संचालन श्रीमती मेधावी कुमावत द्वारा किया गया। उन्होंने Communication Skills को सुधारने की आवश्यक बताई जो व्यक्तित्व के विकास के लिए उचित है। वेबिनार के आयोजक 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर ने बताया कि प्रतिभागियों की मांग पर इस वेबिनार को आगे भी आयोजित करने पर विचार किया जायेगा। वेबिनार के आयोजक 'टीम चेतन धुंधारिया' के प्रवक्ता जयसिंह गुड़ीवाल ने वेबिनार के अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और कहा कि भविष्य में भी परिस्थितियों के अनुसार इस तरह की आयोजन किये जाते रहेंगे।

सुरेन्द्र कुमावत ने ऑक्सीजन टैंकर सरकार को दिया

कालाडेरा निवासी सुरेन्द्र कुमावत (समाज सेवी) ने समाज और युवा पीढ़ी के लिए ऐतिहासिक उदाहरण पेश किया है। कोरोना संक्रमण के मध्यनजर राजस्थान में मेडिकल ऑक्सीजन की भारी कमी को देखते हुए, सुरेन्द्र कुमावत ने ऑकसीजन टैंकर सरकार को नि:शुल्क कोविड मरीजों के लिए भेजा है।राजस्थान सीमेन के नाम से बिजनेस करने वाले सुरेन्द्र कुमावत ने बताया कि यह नाइट्रोजन गैस परिवहन में उपयोग होता है परन्तु अभी के कोरोना संक्रमण से अस्पतालों की हालत देख कर मैंने ये फैसला लिया कि इस नाइट्रोजन गैस को मेडिकल ऑक्सीजन में बदल कर लोगों की सहायता की जाए तो उन्होंने अपने व्यवसाय में काम आने वाली नाइट्रोजन को ऑक्सीजन में बदलकर सरकार को कोविड मरीजों के लिए भेज दिया। इसकी बाजार कीमत लगभग 55 लाख है। कालाडेरा एवं आसपास के वरिष्ठ एवं सामाजिक बंधुओं ने इनके इस फैसले का स्वागत किया।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका श्री सुरेन्द्र कुमावत की इस पहल का स्वागत करता है।

जितेंद्र कुमावत (Scientist- ISRO)

पुत्र श्री सीताराम जी कुंडलवाल निवासी प्रतापपुरा जोबनेर को इसरो चेयरमैन के. सिवान द्वारा सम्मानित किए जाने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

फुलेरा विधायक **निर्मल कुमावत** को भाजपा OBC मोर्चा का राष्ट्रीय मंत्री बनायें जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ !

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को

हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

विज्ञापन

श्रद्धान्वत

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल

सुरेन्द्र घोड़ीवाल, मनीष घोड़ीवाल

7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438

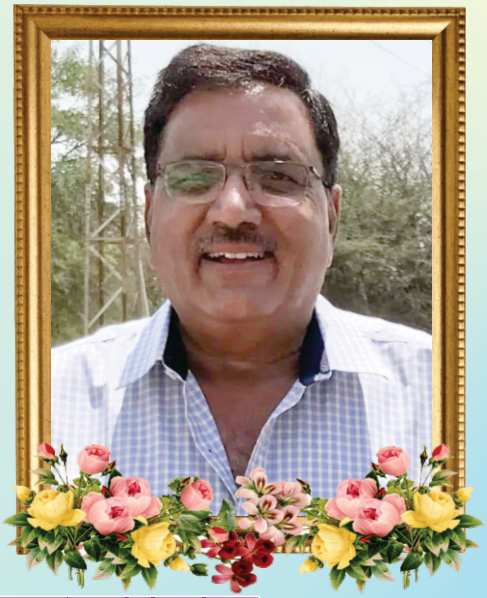

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

श्री विनोद बालोदिया

का 13 मई, 2021 को बैकुण्ठधाम हो

जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा	**चेतन कुमावत (धुंधारिया)**	**कस्तूरमल कुमावत**	**लालचन्द धुंधारिया**
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : **रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया**

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को
हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया)

एडवोकेट

ग्राम आकेड़ा चौड़, तहसील आमेर, सीकर रोड,
जयपुर मो. 9887440666

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया	**श्रीमती मोनिका मारवाल**
(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाइन)	पुत्रवधू मेजर जनरल जितेन्द्र मारवाल (से.नि.)
13 मई, 2021	पत्नी डॉ. अविनाश मारवाल
	2 मई, 2021

के असामयिक निधन पर
सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

मनोज सिरसवा मारुती जैम्स

1321, शाह भवन, अजबघर का रास्ता, किशनपोल
बाजार, जयपुर मो. 94140 43127, 9314288771

जिम्मेदार कौन ?

भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में बीते एक साल का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान देश कभी गहरी निराशा में डूबा तो कभी इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में जीत की मजबूत उम्मीदें बंधी। गत वर्ष के अंत से ही कोरोना वायरस को खत्म करने का जश्न मनाना शुरू हो गया था। राजनेताओं से लेकर नीति-निर्माताओं और हम सभी ने सचमुच यह मान लिया था कि भारत अब इस मुश्किल दौर से निकल चुका है। यह भी कहा जाने लगा था कि ''भारतीय अर्थव्यवस्था अब जाड़े के मौसम की लंबी छाया से निकलकर चमचमाते रोशन दिनों की ओर बढ़ रही है।'' परन्तु यह हमारी भूल थी।

कोरोना महामारी की भयावता के आगे आज सारे सिस्टम फेल हो चुके हैं। साँस की आस में मरीज अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। अस्पतालों के बाहर मृतकों के रोते-बिलखते परिवार दिखाई दे रहे हैं। बेहाल मरीजों से लदी एंबुलेसों की कतारें हैं, मुर्दाघरों में लाशों के लिए जगह नहीं है। अस्पतालों के कॉरिडोर और लॉबी में भी मरीजों का इलाज किया जा रहा है। अस्पतालों के बेड, कोविड की दवाईयों, ऑक्सीजन, जीवनरक्षक दवाईयों और टेस्ट के लिए हाहाकार मचा हुआ है। अस्पतालों में ना बेड खाली है ना आक्सीजन ना ही दवाईयाँ। सोशल मीडिया भी कोविड की वजह से मारे गये लोगों के अंतिम संस्कार के फोटो और वीडियों से भरा पड़ा है। दवाईयाँ ब्लेक मार्केट में बेची जा रही है और टेस्ट की रिपोर्ट आने में कई दिन लग रहे हैं। हालात इतने बेकाबू हो गये हैं कि मरीज इनके अभाव में असमय दम तोड़ रहे हैं। आखिर इन सबके लिए जिम्मेदार कौन है ?

चुनावी रैलियों की भीड़ और क्रिकेट के जश्न ने सारा खेल बिगाड दिया। ऐसे में इन चुनाव क्षेत्रों में न तो कोई सेफ्टी प्रोटोकॉल अपनाया गया ना ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया। मार्च के मध्य में गुजरात के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच दो अंर्तराष्ट्रीय एक दिवसीय मैचों का आयोजन किया गया। जिसे देखने के लिए एक लाख 30 हजार दर्शकों को इजाजत भी दी गई। लापरवाही इतनी कि इनमें से ज्यादातर लोगों ने मास्क भी नहीं लगाया हुआ था। प्रत्येक शाम बिना दर्शकों के दुनिया के सबसे अमीर टूर्नामेंट के तहत क्रिकेट मैच खेले जा रहे हैं और जीत के बाद जश्नों का दौर जारी है। कुंभ स्नान के लिए नदियों के किनारे मेला लगा रहा है। समाजशास्त्र के प्रोफेसर शिव विश्वनाथ कहते हैं कि-''जो हो रहा है, उस पर यकीन करना मुश्किल है।''

ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने कोरोना की इस दूसरी लहर को रोकने में मुस्तैदी नहीं दिखाई, इसी कारण यह संक्रमण चारों ओर बड़ी तेजी फैला। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अब पूरे के पूरे परिवार संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। यह एक तरह से कोरोना का बिल्कुल नया ट्रेंड है। कोविड को हराने की भारत की अनोखी क्षमताओं को लेकर बड़ा शोर हुआ। यहाँ तक कहा गया कि यहाँ युवा आबादी है, ज्यादातर लोग गाँवों में रहते हैं देशवासियों के भीतर एक स्वभाविक प्रतिरोधी क्षमता है, इसलिए कोरोना हार गया है। लेकिन इतनी जल्दी कोरोना से जीत का ऐलान हमें काफी भारी पड़ गया। क्या इसके लिए जिम्मेदार केवल और केवल प्रशासन है ?

यह कहना अतिशोक्ति नहीं होगी कि देश में कोरोना लहर का दूसरा संक्रमण उन लोगों वजह से फैला है, जो बिल्कुल लापरवाह हो गये थे। लोग शादियों, पारिवारिक व सामाजिक समारोह में खुलकर जाने लगे वो भी बिना मास्क के। प्रशासन द्वारा भी चुनावी रैलियों और धार्मिक समारोह को मंजूरी दे दी गई और बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे। फरवरी के आखिर में बीबीसी ने भारत में कोरोना संक्रमण के एक बार बड़ी तेजी से फैलने की चेतावनी दी थी। चेतावनी के बावजूद इस और ध्यान नहीं दिया गया। अब समय नहीं है कि हम एक दूसरे पर दोषारोपण करे। हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।

कोरोना वायरस से फैली महामारी दिन प्रतिदिन गंभीर रूप लेती जा रही है। केंद्र और राज्य सरकारें इस महामारी से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर रही है उन पर अमल के लिए तत्परता भी दिखा रही है इसके बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसका मतलब यही है कि संकट बड़ा है, यह तय है कि इस संकट से पार पाने के लिए हमें आगे और भी ठोस कदम उठाने पड़ सकते हैं। ऐसी विकट परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि सरकारों और स्थानीय प्रशासन की ओर से जो भी सुझाव दिए जा रहे हैं उनका पालन पूरी गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए। हम किसी भी तरह की लापरवाही ना बरतें। अभी भी समय है कि हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे और स्वयं जागरूक होने के साथ अन्य लोगों को भी जागरूक करे। साफ-सफाई और सेहत को लेकर अतिरिक्त सतर्कता दिखाने के साथ ही संयम एवं अनुशासन का भी परिचय देने की आवश्यकता है। क्योंकि भारत एक बड़ी और सघन आबादी वाले देश हैं इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस बात पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि किसी से कहीं कोई गलती ना होने पाए क्योंकि कोरोना संक्रमित एक व्यक्ति की लापरवाही सैकड़ों लोगों की जिंदगी खतरे में डाल सकती है। हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि देश को कोरोना की तीसरी लहर में नहीं जाने देना है।

यदि संक्रमण का सिलसिला बेकाबू हुआ तो संकट और अधिक गंभीर हो सकता है और तब लोगों को और अधिक बंदिशों के साथ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। संकट की इस घड़ी में हर किसी को इसके लिए सक्रिय होना चाहिए कि हम सबका सामाजिक व्यवहार बदले यदि सभी सतर्क रहें और हौसला बनाए रखें तो इस संकट से पार पाया जा सकता है। इसके लिए एक सामाजिक क्रांति के साथ-साथ वैचारिक क्रांति की और भी ध्यान देना होगा।

कोरोना वायरस का हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक तौर पर खामियाजा तो भुगतना पड़ेगा। दुनिया को फिर से आकार देने में हमें सालों की मेहनत लगेगी। बाजार को कोरोना वायरस से पहले की स्थिति में लौटने में कई सालों का समय लगेगा। पहले भी अनेक महामारियों का सामना किया और उस पर विजय प्राप्त की है। बस, आवश्यकता है तो एकजुट होकर सामना करने की। कोरोना कोई ऐसा शैतान नहीं, जिस पर विजय हासिल नहीं की जा सकती। ''**मुश्किलों का दौर है, मुश्किलें बीत जायेंगी, नई सुबह फिर से आयेगी।**'' अगर हम सब साथ होंगे, सब एकजुट होकर कोरोना से लड़ेंगे, घबरायेंगे नहीं सावधानी और एहतियात बरतेंगे तो हम कोरोना को हरा देंगे। हम संयम से काम लेंगे तो निश्चित तौर पर हम आने वाले कुछ ही दिनों में कोरोना को मात दे देंगे और जीत हमारी होगी।

- **जयसिंह गुडीवाल,** वरिष्ठ उपाध्यक्ष
कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर
मो. 9461343432

नि:स्वार्थ सेवा का भाव जीवन में सफलता (सामाजिक एकता) का मूलमंत्र है।

दूसरों के प्रति नि:स्वार्थ सेवा का भाव रखना ही जीवन में सफलता (सामाजिक एकता) का मूलमंत्र है। नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। हमें अपने आचरण में सदैव सेवा का भाव निहित रखना चाहिए, जिससे अन्य लोग भी प्रेरित होते हुए सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। सेवारत व्यक्ति सर्वप्रथम अपने, फिर अपने सहकर्मियों व अपने सेवायोजक के प्रति ईमानदार हो। इन स्तरों पर सेवा भाव में आई कमी मनुष्य को धीरे-धीरे पतन की ओर ले जाती है। सेवा भाव ही मनुष्य की पहचान बनाती है और उसकी मेहनत चमकाती है। सेवाभाव हमारे लिए आत्मसंतोष का वाहक ही नहीं बनता बल्कि संपर्क में आने वाले लोगों के बीच भी अच्छाई के संदेश को स्वत: उजागर करते हुए समाज को नई दिशा व दशा देने का काम करता है। जैसे गुलाब को उपदेश देने की जरूरत नहीं होती, वह तो केवल अपनी खुशबू बिखेरता है, उसकी खुशबू ही उसका संदेश है। ठीक इसी तरह खूबसूरत लोग हमेशा दयावान नहीं होते, लेकिन दयावान लोग हमेशा खूबसूरत होते हैं, यह सर्वविदित है। सामाजिक, आर्थिक सभी रूपों में सेवा भाव की अपनी अलग-अलग महत्ता है। बिना सेवा भाव के किसी भी पुनीत कार्य को अंजाम तक नहीं पहुंचाया जा सकता। सेवा भाव के जरिए समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने के साथ ही आम लोगों को भी उनके सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा सकता है। असल में सेवा भाव आपसी सद्भाव का वाहक बनता है। जब हम एक-दूसरे के प्रति सेवा भाव रखते हैं तब आपसी द्वेष की भावना स्वत: समाप्त हो जाती है और हम सभी मिलकर कामयाबी के पथ पर अग्रसर होते हैं। सेवा से बड़ा कोई परोपकार इस विश्व में नहीं है, जिसे मानव सहजता से अपने जीवन में अंगीकार कर सकता है। प्रारंभिक शिक्षा से लेकर हमारे अंतिम सेवा काल तक सेवा ही एक मात्र ऐसा आभूषण है, जो हमारे जीवन को सार्थक सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाता है। बिना सेवा भाव विकसित किए मनुष्य जीवन को सफल नहीं बना सकता। हम सभी को चाहिए कि सेवा के इस महत्व को समझें व दूसरों को भी इस ओर जागरूक करने की पहल करें।

समाजसेवी गणेश मोरवाल (कुमावत)
9251755338

कविता

क्यों इंसान बच्चा नहीं रहता

क्यों इंसान हमेशा बच्चा नहीं रहता
दिल का साफ और सच्चा नहीं रहता
उम्र का वो दौर बेहतरीन होता है
ना समझ होती है और ना ही
कपट होता है
मौसम कोई भी हो सबका
एक ही रंग होता है
दादी-नानी की कहानियों में ही
देखा है परियों को
रोज रात को तकिए के सिरहाने एक
ख्वाब सोता है
फिर जवानी आती है,
साथ समझ को लाती है
खिलखिलाहट कहीं पर गुम हो जाती है
होठों पर एक सूखी सी हंसी रह जाती है
स्वार्थ की बिसात पर हर रिश्ते
निभाऐ जाते हैं
हर मोड़ पर रावण खड़े पाऐ जाते हैं
सिर तो एक है मगर चेहरे पर
चेहरे चढ़े हैं
हर एक चेहरे पर दस-दस नकाब पड़े हैं
तब अक्सर ये दिल सोचा है करा है
क्यों इंसान हमेशा बच्चा नहीं रहता

-उर्वशी बालोदिया

श्रीमती उमा कछावा की कलम से

यह लेख मैंने मेरे पूज्यनीय श्वसुर साहब सेठ श्री मांगीलाल जी ठेकेदार एवं मेरे पूज्य पिता स्व. पदमश्री राम प्रकाश जी गहलोत व उनके परिवारजनों के बारे में हाल ही में 'हेमचन्द कल से आज' तथाकथित आत्मकथा में बुरा-भला लिखने के संदर्भ में है। ऐसा यह पूर्व में मासिक सामाजिक पत्रिका में लिख चुके हैं। श्री हेमचन्द जी द्वारा अपनी आत्मकथा में किए गए वमन से मेरे ससुराल तथा पीहर की प्रतिष्ठा पर आँच आई है। मैं इसके बारे में अपना पक्ष समाज के समक्ष रख रही हूँ।

यह मेरे परिवारजनों परिवारजनों का महिमामण्डन न होकर समाज की नई पीढ़ी व हेमचंद खड़गटा जी को मेरे परिवारजनों द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों से अवगत कराने का प्रयास मात्र है।

स्व. सेठ श्री मांगीलाल जी ठेकेदार (इन्हें समाज में इसी सम्बोधन से आदरपूर्वक बुलाया जाता था) के द्वारा स्व. श्री कान्हजी कच्छावा (माचीवाल) एवं पिता श्री भगतराम जी जयपुर जिले की चौमूं तहसील से लगभग दो सौ वर्ष पूर्व जयपुर में आ बसे थे। कच्छावा वंश में उत्पन्न होने की वजह से इनका उपनाम ( ) कच्छावा तथा गोत्र माचीवला रहा। यह परिवार शुरू से ही सिविल कार्य में दक्ष ाि। स्व. श्री कान्ह जी ने अपने पूर्वजों द्वारा प्रारम किए गए सिविल निर्माण के व्यवसाय (ठेकेदारी) को अपनी अगली पीढ़ी स्व. श्री भगतराम व श्री मांगीलाल जी को सौंपा। श्री माँगीलाल जी ने अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर इस व्यवसाय को विस्तार देकर अपने चरम पर पहुँचाया।

श्री बाल जी घोड़ेला द्वारा गठित बाल निवास ट्रस्ट से पूर्व तक श्री माँगीलाल जी द्वारा समाज के लिए एक छात्रावास की सुविधा नि:शुल्क अपनी हवेली में प्रदान की थी। जिसका समाजजनों ने अनेक वर्षों तक लाभ उठाया व आगे बढ़ने योग्य बने। श्री माँगीलाल जी भारतवर्ष के अनेकों शहरों व गांवों में जाकर समाज के बंधुओं से सम्पर्क किया एवं समाज के उत्थान व भलाई के अनेकों कार्य किये। सन् 1946 में कुमावत क्षत्रिय समाज का अजमेर के पास पुष्कर में एक विशाल सम्मेलन का आयोजन हुआ। वहीं 'अखिल भारतवर्षीय कुमावत क्षत्रिय महासभा' की स्थापना हुई। श्री माँगीलाल जी को इस महासभा का प्रथम अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

समाज को आगे ले जाने के उपाय एवं कार्यों को करते रहने में आप सदा प्रयासरत रहे। भारतवर्ष में कहीं से पधारे समाज बंधुओं को आदर व पूरे सम्मान के साथ आतिथ्य प्रदान करते रहे। आप द्वारा अपनी प्रतिष्ठा के बल पर समाज के अनेक बंधुओं को राज्य सरकार के महकमों में नौकरी पर लगाया। साथ ही समाज के कई परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सहायता यथा सामर्थ्य करते रहे। इतना ही नहीं आपके द्वारा समाज के कई परिवारों की बेटियों की शादियां सम्पन्न करवाई तथा कन्यादान किए।

स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व व कुछ वर्षों पश्चात तक आपेन जयपुर राज परिवार के पसंदीदा ठेकेदार रहकर अनेक इमारतों का निर्माण कार्य करवाया जिसमें समाज के बंधुओं को रोजगार के अवसर प्रदानकरने के साथ-साथ उनको कार्यकुशल भी बनाया जिससे अनेक समाजबंधु अपनी मेहनत व लगन से आत्मनिर्भर बन सके। अपने व्यवसाय के विस्तार के साथ सेठ साहब ने अपनी फर्म में समाज के अनेक लोगों को सेवा में रखकर उन्हें रोजगार तो दिया ही, उनके सम्मान में भी कभी कमी न आने दी। सभी से उनका व्यवहार उम्र के अनुसार पिता तुल्य या बड़े भाई जैसा बना रहा। कभी किसी को नहीं पहुंचाया। हेमचन्द जी के दादा स्व. श्री ईश्वर लाल जी खड़गटा भी उनमें सेएक थे। जिन्हें हम सभी परिवारजनों ने उनका मातहत नहीं समझकर अपने पिरवार के एक बुजुर्ग की भाँति ही स्नेह व आदर सम्मान दिया।

ईश्वर की कृपा व अपनी मेहनत के बल पर सेठ सा'ब ने अकूत सम्पत्तियाँ अर्जित कीं। जिनमें सिविल लाइन्स जयपुर में पूर्वी व पश्चिमी भगत वाटिका नर्सरी तथा एम.आई रोड स्थित भगत भवन प्रमुख हैं। अपने द्वारा अर्जित धन व सम्पत्तियों के बावजूद वे समाज से जुड़े रहे व कभी इसका अभिमान नहीं किया। भगत वाटिका में आप द्वारा अनेक धार्मिक अनुष्ठान, भोज आदि होते रहते थे। जिसमें रिश्तेदारों के अलावा बहुतायत में समाज के अनेक बंधुजनों को उनके परिवार सहित आमंत्रित किया जाता था। समाज बंधुओं द्वारा मांग किए जाने पर उन्हें भगत वाटिका नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती थी जिसमें शादी समारोह, गोठ व अन्य कार्यक्रमों की अनुमति दी जाती थी। इतना ही नहीं समाज के कई बंधुओं को चिकित्सक के परामर्श पर स्वास्थ्य कारणों से खुले व स्वच्छ वातावरण में रहने की परिवार सहित अनुमति भी प्रदान की जाती रही। वे महीनों वहाँ रहकर जाते थे।

जयपुर राजघराने से जुड़े रहकर सेठ साहब द्वारा जयपुर में जिन इमारतों का निर्माण कराया गया उनमें से कुछ निम्न हैं-**लिली पूल, रेजीडेंसी, महाराज कॉलेज, महारानी कॉलेज, एम.जी.डी. स्कूल, एस.एम.एस. हॉस्पिटल, सूचना केन्द्र व रामबाग पैलेसे इत्यादि हैं।** रामबाग पैलेस के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए स्व. महाराजा सवाईमानसिंह जी द्वारा सेठ साहब को सोने के कड़े व गोल्ड मैडल प्रदान किये थे जो आज भी हमारे पास सुरक्षित है।

जयपुर राजपरिवार के साथ जुड़ने के साथ ही स्व. सेठ साहब पी.डल्यू.डी. के ए क्लास कॉन्ट्रेक्टर रहे तथा समाज के बंधुओं को रोजगार के अवसर प्रदान करते रहे। उनके निर्माण कार्य की सूची में **सम्पूर्ण मिलिट्री एरिया, एन.बी.सी. फैक्ट्री, कमानी हाउस के अलावा अनेक हवेलियां, बावड़ियां, सड़क, पुल व बाँध आदि कार्य शामिल हैं।**

सेठ साहब द्वारा सम्पत्तियों में से एक भगत निवास कल्याण जी के रास्ते में स्थित बाल निवास से चरपेटा होते हुए दक्षिण दिशा में थी। उसी भूमि के एक हिस्से को आदरणीय सेठ साहब ने समाज को दान कर दी थी जो आज भी बाल निवास से चरपेटा पश्चिम दिशा में मौजूद है।

अब मैं उनके निजी जीवन पर कुछ कहना चाहूँगी। आपकी जीवन की संध्या से पूर्व ठेकेदारी के व्यवसाय में उन्हें कुछ लोगों ने धोखे दिए, कुछ घाटे हुए। रही सही कसर अनेक गम्भीर बीमारियों ने पूरी कर दी। जिसमें उच्च रक्तचाप, डायबिटीज व गुर्दे खराब होने के साथ-साथ उन्हें लकवा आ गया जिसके कारण उनकी वाणी जाती रही और शरीर का दाहिना हिस्सा निश्चिक्रय हो गया जिसके कारण बहुत सी महत्वपूर्ण

जानकारियां जिसमें पैसे के लेन देन, बैंक व सम्पत्तियों आदि के बारे में कुछ नहीं बता पाये। एक समय था जब उनके नाम पर बाजार में हुण्डियां सिकरती थीं। वे जयपुर के ऑनरेरी मजिस्ट्रेट भी रहे और फिर इन कारणों से अपने जीवनकाल में ही बाजार की देनदारियों को चुकाने और अपनी साख पर आँच नहीं आने देने की वजह से सभी प्रमुख सम्पत्तियों को बेचना पड़ा। कहते हैं समय के आगे इंसान बेबस हो जाता है। उस समय पर हुए भारी घाटे की वजह से सम्पत्तियों का ह्रास तो हुआ ही हमें मजबूरन अपने ठेकेदारी का व्यवसाय भी बंद करना पड़ा।

समाज के प्रबुद्धजन विचार करें कि अंत समय में परिवार के आर्थिक रूप से कमजोर हो जाने से, स्व. सेठ साहब द्वारा समाज के लिए किए गए कार्य और सेवा क्या समाज के लिए अब कोई मायने नहीं रखता? क्या समाज के किसी भी व्यक्ति को यह अधिकार मिल जाता है कि वह समाज के दिवंगत गणमान्य लोगों पर ऐसी निरर्थक टिप्पणी करके उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास करें?

मेहुल का कार्ल्सरुह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जर्मनी के लिए चयन

किशनगढ़ कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट महेश कुमावत के भतीजे मेहुल कुमावत का कार्ल्सरुह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जर्मनी के लिए चयन हुआ, जिसके लिए सभी परिवारजनों और समाजबंधुओं ने उसे माला पहनाकर जर्मनी के लिए विदा किया। मेहुल 3 साल कार्ल्सरुह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलौजी जर्मनी में '**मास्टर्स इन वाटर साइंस एंड इंजीनियरिंग**' की डिग्री हासिल करेगा। मेहुल कुमावत पढ़ाई में हमेशा 90 प्रतिशत अंकों के साथ आगे रहे है। इस मौके पर पिता जितेन्द्र कुमावत, दामोदर कुमावत, दीपक कुमावत, चेतन, शशि प्रभा कुमावत आदि मौजूद थे।

कोरोना की जंग जीतने में भारत की पहल

- **2-Deoxy-D-glucose**

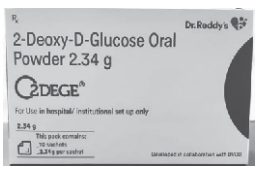

कोविड-19 की जंग जीतने हेतु भारत के DRDO ने डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरी के सहयोग से 2-Deoxy-D-glucose दवा की खोज की है, इसके परिणाम चौंकाने वाले हैं। इस दवा के पाउच को पानी में घोलकर पीने से मरीज से ढाई दिनों में तीव्र रिकवरी करने लग जाते हैं। अभी रेमेडिसिवर तथा ऑक्सीजन की कमी है। यह दवा ऑक्सीजन की निर्भरता कम कर देगी। इससे 7-8 दिनों में मरीज ठीक होते थे। इस दवा के साइड इफेक्ट भी नहीं बताये गये हैं। भारत सरकार ने इसके आपात उपयोग की अनुमति दे दी है। यह शीघ्र ही बाजार में उपलब्ध होगी।

- **Covi self Test Kit**

भारत के My Lab Discovery solution Ltd. ने Coviself Test Kit तैयार किया है जिससे कोरोना का टेस्ट व्यक्ति घर में स्वयं ही कर सकता है। इससे रिपोर्ट भी 15 मिनिट में मिल जाती है। इस किट की कीमत रु. 250 है तथा 1 सप्ताह में भारत में फार्मेसी दुकानों पर उपलब्ध हो जायेगा। इसे ICMR ने मान्य व अनुमोदित कर दिया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि इस किट का इस्तेमाल केवल रोग सूचक व्यक्तियों पर और प्रयोगशाला द्वारा पुष्टि किये गये पोजिटिव मामलों के तत्काल सम्पर्को पर किया जाना चाहिए।

- **DIPCOVAN (डिपकोवैन) एन्टीबॉडी टेस्ट किट**

DRDO ने वैनगार्ड डायग्नोस्टिक्स प्रा.लि. दिल्ली के सहयोग से कोरोना वायरस एंटीबाडी डिटेक्शन किट '**डिपकोवैन**'

तैयार किया है, जो सोर्स-कोव-2 वायरस और न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन का 97 फीसदी उच्च संवेदनशीलता और 99 फीसदी की विशिष्टता के साथ पता लगा सकता है। इसका 1000 से अधिक रोगियों पर परीक्षण के बाद यह परिणाम प्राप्त हुए हैं। इससे रु. 75 में पता चलेगा कि आपके शरीर में कितनी एंटीबॉडी है। इसे ICMR ने मंजूरी दे दी है।

- हैदराबाद स्थित **भारत बायोटेक को 12-18 वर्ष के बच्चों पर COVAXIN के 2/3 क्लिनिकल ट्रायल की मंजूरी मिली है।** इस कम्पनी ने केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति, हैदराबाद को इस हेतु आवेदन किया था जिसमें बच्चों के बीच COVAXIN Jebs की सुरक्षा, प्रतिक्रियात्मकता और इम्यूनोजेनेसिटी का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक परीक्षण की अनुमति मांगी गई थी।

  यह कोविड-III फेज में बच्चों पर पड़ने वाले सम्भावित असर के परीपेक्ष्य में बच्चों का वेक्सीनेशन करने के क्रम में स्वगात योग्य कदम है।

- **अगस्त 2021 से भारत में स्पूतनिक की-वी उत्पादन**

भारत में 'स्पूतनिक-वी' रूस की कोविड वैक्सीन का उत्पादन अगस्त, 2021 से प्रारम्भ होने जा रहा है। अब तक 2.5 लाख डोज आ गई है व मई के अंत तक 30 लाख डोज और आयेगी। 'स्पूतनिक-बी' आने से कोरोना पर नियंत्रण करने में ओर सहयोग मिलेगा। किन्तु अभी स्पूतनिक-लाईट का उत्पादन भारत में करने का निर्णय नहीं हो पाया है।

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

18 अप्रेल श्री तेजकरण जी चौधरी, केशरीपुरा, सांवेर, इंदौर (म.प्र.)
19 अप्रेल श्री भंवरलाल मोरवाल पुत्र स्व. श्री लादूराम जी, न्योला की ढाणी, जयपुर
22 अप्रेल श्री जगन्नाथ कुमावत (अजमेरा) बाजणी तलाई, सांगानेर, जयपुर
22 अप्रेल श्रीमती सुमन सिंह पत्नी श्री किशन सिंह
23 अप्रेल श्री सुरेन्द्र कुमार 'राज' (खोवाल), लालकोठी योजना, जयपुर
23 अप्रेल श्रीमती मीना देवी पत्नी श्री सुन्दरलाल दोराया, राजसमंद
23 अप्रेल श्री उषा नाईक (काकरवाल) पुणे
23 अप्रेल श्री हरिशंकर जलांधरा, बापूनगर, जयपुर
24 अप्रेल श्रीमती बीना देवी धर्मपत्नी श्री घनश्याम भौरोदिया भोज्यावास, भांकरोटा
24 अप्रेल श्री राधेश्याम देतवाल, उज्जैन
25 अप्रेल श्री भोलाराम कुमावत, लालकोठी स्कीम, जयपुर
26 अप्रेल श्री रतनलाल जी वर्मा (कुदाल), विद्याधर नगर, जयपुर
26 अप्रेल श्रीमती पिंकी बारावाल, चौमूं
26 अप्रेल श्री भोलालराम जी कुमावत, लालकोठी योजना, जयपुर
27 अप्रेल श्री लाल चंद कुमावत, पुत्र स्व. दामोदर जी छापोला, आदर्श नगर, जयपुर
27 अप्रेल श्रीमती सूरज देवीपत्नी स्व. श्री रतनलाल छापोला, सांगानेर, जयपुर
27 अप्रेल श्रीमती प्रेमदेवी धर्मपत्नी श्री बाबूलाल सिरोहिया, ढाणी कुमावतान, जयपुर
27 अप्रेल श्री बजरंगलाल दम्बीवाल, लालकोठी योजना, जयपुर
27 अप्रेल श्री हनुमान प्रसाद कुमावत, बंधानिया, झोटवाड़ा, जयपुर
27 अप्रेल श्रीमती अनीता देवी धर्मपत्नी श्री महेश चंद मियाण्या, चांदपोल, जयपुर
28 अप्रेल श्रीमती कृष्णा देवी धर्मपत्नी श्री जगदीश नारायण जी बालोदिया, जयपुर
28 अप्रेल श्रीमती चन्द्रकान्ता धर्मपत्नी श्री सुभाष जी लोठया, जयपुर
28 अप्रेल श्री भंवरलाल कुमावत (कुदाल) रामनगर, झोटवाड़ा, जयपुर
28 अप्रेल श्री सुलतान जी खोवाल, सवाईमाधोपुर पुलिया के पास, जयपुर
29 अप्रेल श्री लाल राम वर्मा पुत्र स्व. श्री सुगन लाल जालवाल, झोटवाड़ा,जयपुर
29 अप्रेल श्रीमती पार्वती बाई धर्मपत्नी श्री कृष्ण चंद जी मेरावंडिया, इंदौर (म.प्र.)
30 अप्रेल श्रीमती मनभर देवी धर्मपत्नी श्री प्रभुदयाल दोराया, इमली फाटक, जयपुर
30 अप्रेल श्री लक्ष्मण कुमावत, उजीवाल, शिवनगर, बढारणा, जयपुर
30 अप्रेल श्री जयराम पुत्र श्री दुर्गालाल चारसूवाल, भांकरोटा, जयपुर
30 अप्रेल श्री राकेश कुमावत पुत्र स्व. लाल चंद जालवाल, खातीपुरा, जयपुर
30 अप्रेल श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी श्री इंदर सिंह जी बावला, गोपालपुरा,ज यपुर
1 मई श्रीमती गंगा देवी खोवाल, कटेवा नगर, गुर्जर की थड़ी, जयपुर
1 मई श्रीमती कुणवती देवी धर्मपत्नी श्री राम गोपाल मंडावरा, इमली फाटक, जयपुर
1 मई श्री शिव भगवान मारवाल, बावड़ी मोहला, श्री माधोपुर, सीकर
1 मई श्री लादुराम देवतवाल, मांचड़ा ढाणी, जाल्या का बड़
1 मई श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्रीप्रकाश चन्द बोड़िया, श्यामपुरी, जयपुर
1 मई श्री सुवालाल जी कारगवाल, माल की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
2 मई श्री जोधराज जी जेठीवाल, रुपा बाबा की ढाणी, किशनगढ़-रेनवाल, अजमेर
2 मई श्रीमती प्रेम देवी धर्मपत्नी बंशीलाल नोखवाल, जयपुर
2 मई श्रीमती उमा वर्मा, धर्मपत्नी श्री घनश्यामदास जी खड़गटा, टोंक फाटक, जयपुर
2 मई श्री भागचन्द जी दोराया पुत्र स्व. श्री सीताराम दोराया, सांगानेर, जयपुर
2 मई गजानन्द जी मामोडिया, विवेक विहार, सोडाला, जयपुर
2 मई श्री मनोज कुमावत, सांवेर, इंदौर (म.प्र.)
2 मई श्रीमती मोनिका मारवाल पुत्रवधू मेजर जनरल जितेन्द्र मारवाल,
3 मई श्री बाबूलाल जी मामोडिया, रेल्वे स्टेशन रोड, चौमूं, जयपुर
3 मई श्री कालूराम पुत्र स्व. रामदेव जी, महेश नगर, जयपुर
3 मई श्री बाबूलाल जी अजमेरा,बाजरी दलाई, सांगानेर
3 मई श्री शांतिलाल जी राणोलिया, ईश्वरी सिंहपुरा, जयपुर
4 मई श्री बाबूलाल जी वर्मा (राजोरिया) लालकोठी योजना, जयपुर
4 मई श्रीमती ममता धर्मपत्नी श्री रविन्द्र कुमावत (बड़ीवाल), शास्त्रीनगर, जयपुर
5 मई श्री गोविन्दराम किरोड़ीवाल, इंदौर
5 मई श्रीमती शकुन्तला धर्मपत्नी श्री जयप्रकाश खोरानिया, जयपुर
5 मई श्रीमती मेवा देवी पत्नी मूलचन्द वर्मा, मरोडिया, अजमेर, जयपुर
5 मई श्री रूपनारायण राहोरिया, जयपुर
5 मई श्रीमती रितू कुमावत धर्मपत्नी राजेश कुमार सारड़ीवाल, जयपुर
5 मई श्री कन्हैयालाल पुत्र स्व. श्री रामेश्वर लाल, जयपुर
5 मई श्री बंशीलाल वर्मा केलगुगरिया पूर्व चैयरमेन सरंपच नरायना
5 मई श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री बाबूलाल गैदर, जयपुर
5 मई श्री रामस्वरूप जी रि.पोस्टमास्टर पुत्र स्व. दरबक्ष जी अनावड़िया, जयपुर
5 मई श्रीमती सावित्री देवी खोवाल
6 मई श्री फूलचन्द जी मारोठिया, भू.पू सरपंच बोबास, जयपुर
6 मई श्रीमती गुल्लीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री गणेशनारायण भदाणियां, सांगानेर
6 मई श्री रघुवीर शरणपुत्र स्व. लादूराम जी भोरोदिया चाकसू, जयपुर
6 मई श्री नन्द लाल जी दोराया चाकसू, जयपुर
6 मई श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी श्री मानसिंह कारगवाल, महादेवनगर, जयपुर
6 मई श्रीमती संतोकदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री देवीलाल जी देवतवाल, सांगानेर, जयपुर
6 मई श्रीमती पार्वतीदेवी धर्मपत्नी श्री रमेश कुमावत मरोड़िया, जयपुर
6 मई श्री छोगालाल जी पुत्र श्री लादूराम जी अनावड़िया, झोटवाड़ा, जयपुर
6 मई श्री हनुमान सहाय सारड़ीवाल, खातीपुरा
6 मई श्रीमती सरवनी देवी, सिरोहिया, झोंटवाड़ा, जयपुर
6 मई श्री नन्दलाल दौराया, चाकसू,
6 मई श्री सूरजमल भोडिया, चौमूं
7 मई श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी श्री फूल चन्द जी अनावडिया, सोडला, जयपुर
7 मई श्री विजय कुमार कुमावत भौरोदिया, मोतीडूंगरी, जयपुर
7 मई श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी स्व. श्री हरदेव खोराणिया, टोडी निदड़, जयपुर
7 मई श्री शम्भूदयाल जी बैरा, जयपुर
7 मई श्रीमती कौशल्या देवी धर्मपत्नी श्री महादेव जी सिंगाठिया,ज यपुर
7 मई श्रीमती धापादेवी बारावाल, चौमूं
8 मई की ताराचन्द सिरोहिया पुत्र स्व. श्री बिरधीचन्द, सांगानेर, जयपुर
8 मई श्री रामअवतार जी कारगवाल, उगरियावास, जयपुर
9 मई श्री पुखराज कुमावत पुत्र स्व. श्री विष्णु प्रसाद मारवाल, स्वेज फार्म, जयपुर
9 मई श्री बाबूलाल धमुनिया (मनोहरपुर वाले), शिव कॉलोनी, चौमूं
9 मई श्री राधामोहन कुमावत, पुत्र श्री नेमीचंद जी जलांधरा, सांगानेर, जयपुर
9 मई श्रीमती सुलोचना कुमावत धर्मपत्नी श्री फूलचन्द मारोठिया, झोटवाड़ा, जयपुर
9 मई श्री बद्रीप्रसाद राजोरिया, वार्ड-11, रींगस, सीकर
9 मई श्री योगेश वर्मा, जोधपुर
9 मई श्रीमती शांति देवी खोराणिया, 22 गोदाम, जयपुर
9 मई श्री कान्हा (गुणवेश) माचीवाल, कालवाड रोड, जयपुर
10 मई श्री जुगल किशोर ठेकेदार घोड़ेला रोड नं. 14 वीकेआईए, जयपुर
10 मई श्रीमती प्रेम देवी धर्मपत्नी श्री रामप्रसाद सिरोहिया, शिल्पकॉलोनी, जयपुर
10 मई श्रीमती सीता देवी धर्मपत्नी श्री पवन जी कुद्दिवाल प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर
10 मई श्रीमती सीता बाई ओस्तवाल, इंदौर (म.प्र.)
10 मई श्री सुरेश वर्मा, बड़गून्दा, इन्दौर
11 मई श्रीमती सीमा देवी धर्मपत्नी श्री सुरेश कुमार (गोविन्दजी), झोटवाड़ा, जयपुर
11 मई श्री जय प्रकाश वर्मा खोरानिया, पीडब्ल्यूडी, जयपुर
11 मई श्री मधुवन कुमावत पुत्र स्व. राम विलास घोड़ेला, महावीर नगर, जयपुर
11 मई श्री छगनलाल भौंरोदिया (ठेकेदार), लालकोठी योजना, जयपुर
11 मई श्री सुरेश जी खटोड़, इँदौर (म.प्र.)
11 मई श्रीमती केली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बालूराम जी कुमावत, नारेड़ा, फागी
11 मई श्री मंगल चंद किरोड़ीवाल, इंदौर
11 मई श्री बिरदी चन्द बधानिया, सांगानेर, जयपुर
12 मई श्री कालूराम सिरस्वा, चौमूं
13 मई श्री विनोद बालोदिया, महारानी फार्म, जयपुर

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

सामूहिक श्रद्धांञ्जलि कार्यक्रम - एक अनोखी पहल

नगर महासभा, उदयपुर कुमावत समाज द्वारा 21 मार्च 2020 से करीब एक वर्ष में कोरोना महामारी या अन्य कारणों से समाज के जितने भी समाज बन्धुओ का स्वर्गवास हुआ, उनके अंतिम संस्कार में या अन्य दिनों में भी समाजबन्धु उनके परिवार के पास जाकर संवेदना प्रकट करने में असमर्थ थे। इस अवधि में समाज के करीब 60 समाज बन्धुओं का स्वर्गवास हुआ, जो समाज के लिये अविस्मर्णीय क्षति है।

नगर महासभा द्वारा 25 अप्रेल 2021 को इन सभी दिवंगत आत्माओं की सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम वाट्सएप ग्रुप ऑन लाइन सोशल मीडिया द्वारा रखा गया, तीन घण्टे के इस श्रद्धाञ्जलि कार्यक्रम में समाज के करीब 27 वाट्सएप ग्रुप पर इन सभी दिवंगत आत्मा को करीब एक हजार समाज बन्धुओं द्वारा एक साथ श्रद्धांजलि देने की नगर महासभा द्वारा एक अनोखी पहल की। सभी ने इनके परिवार को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति हेतु भगवान से प्रार्थना की ।

अंत मे इस महामारी से बचाव एव कोविड 19 के लिये सरकार की गाइड लाइन की पालना करने का सभी को सन्देश दिया गया।

-युवराज सिंह नाहर, अध्यक्ष, नगर महासभा, उदयपुर

इंदौर कुमावत समाज का राशन सामग्री सहयोग

श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज, इंदौर ने कोरोना कॉल में मेहनतकश समाजबंधुओं के घरों में रहने पर मजबूर होने व विषम आर्थिक परेशानी में पढ़ने के कारण जरूरतमंदो के लिए राशन सामग्री की व्यवस्था की है। समाज बंधुओं से राशन सामग्री की सहायता 5/16 संविद नगर (साकेत नगर, इंदौर) स्थित कुमावत मांगलिक भवन पर जाकर 93019-45514 प्राप्त करने को कहा है। साथ ही जो समाज बंधु इस पुनीत कार्य हेतु सहयोग करना चाहते हैं वे संपर्क कर सकते हैं।

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर		
भंवरलाल	M.com.(ABST)	-	14.7.93	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरसवा	9828390772	जयपुर
केशव	10th	स्वयं का फोटो स्टूडियो	28 वर्ष	5'6''	ज़्याड़वाल	खोवाल	कारगवाल	खाटूवाल	7742370973	जयपुर
नीरज	B.Com.	ज्वैलरी एज़्सपोर्ट	17.5.92	5'5''	सारड़ीवाल	खोवाल	अनावड़िया	मारोठिया	9352639761	
विवेक	B.Tech. (El.)	J.En on contract	7.7.92	5'9''	सिरस्वा	कुदाल	घोड़ेला	मारोठिया	9166405141	जयपुर
नितिन	B.Tech.	Juniour Asst.	5.7.93	6'0''	जलान्दरा	कारगवाल	घोड़ेला	कुसुज़्बीवाल	7568238593	जयपुर
लोकेश	B.Tech (El)	RBI IT Desk	29.3.91	5'10''	मारवाल	बिंवल	नेमीवाल	घोड़ेला	8890250286	जयपुर
योगेश	B.Sc.	Vetenery collage	16.3.92	5'9''	धुंधारिया	सिरस्वा	कारगवाल	दज़्बीवाल	9460070073	जयपुर
प्रिंस	B.E.	Pvt. Co. Ahemdabad	14.3.95	5'5''	भोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	नागा	9724044071	अहमदाबाद
नरेन्द्र	B.Tech.	Pvt. Job.	24.11.93	6'1''	मारोठिया	तूंदवाल	सिरस्वा	घोड़ेला	9887887096	जयपुर
अंशुल	B.A.(Final)	Pvt. Job.	19.3.97	5'9''	ज़्याडवाल	बासनीवाल	होदकास्या	मारोठिया	9982240655	जयपुर
आकाश	M.Com.	Jr. Account	16.7.92	5'7''	धुंधारिया	सिरस्वा	कारगवाल	सिंघाटिया	9782601456	जयपुर
रिकेश	M.Com. Dip. civil Eng	Proj.Er.Agr. Univ.	5.9.89	5'11''	धुंधारिया	सिरस्वा	कारगवाल	दज़्बीवाल	9460070073	अजमेर
प्रवीण	M.A.	Theater Director	3.12.88	6'1''	घोड़ेला	मारवाल	धमुनिया	कोलूगरिया	7737244132	जयपुर
कमलेश	M.A.PGDCA	Pvt. job	12.8.86	5'10''	घोड़ेला	रेवाडिया	धमुनिया	बंशीवाल	9982646686	सीकर
अरुण	M.Com. NLE	Head in News india	28.4.88	5'8''	जालवाल	कुंडलवाल	केज़्ट्या	देवतवाल	9829180358	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर		
ज्योति	M.Com., BBA (Running)		7.11.97	5'0''	होदकास्या	मारवाल	माचीवाल	राजोरिया	7023706177	सीकर
अनिता	M.Com., CS, CA (Final)	Private	4.8.88	5'4''	कैज़्ट्या	मण्डालिया	बनावड़िया	बैरा	9828121735	उदयपुर
आरती	MA,	पार्लर, सिलाई	24.3.92	5'4''	नेमीवाल	मारोठिया	घोड़ेला	कुदाल	9983315052	काचरोदा
वर्षा	B.Tech (CS)	ARCGET उदयपुर	15.10.92	5'3''	तलायचा	वावदरा	परमार	बागड़ी	9413500599	उदयपुर
ईशिका	B.Sc., B.Ed,	-	30.4.97	5'1''	कारगवाल	भोरीवाल	नेमीवाल	तुनवाल	9433244418	नवलगढ़
गजल	M.A., B.Ed, Fashion Designing		16.4.93	5'2''	दादरवाल	मोहया	दोराया	सुरीया	9636747416	जयपुर
प्रियंका	M.Com.	Jr. Arct. (Govt job)	26.11.89	5'1''	जलान्दरा	कारगवाल	घोड़ेला	कुसुज़्बीवाल	7568238593	फुलेरा
वैष्णवी	B.Sc. DFIFD	-	18.8.99	5'2''	गहलोत	बालोदिया	बिर्थला	खाटूवाल	9719132191	दिल्ली
दिपीका	M.Com. deplo	Fashion deg, private	18.9.89	5'2''	मारोठिया	खोरानिया	तांगडा	धुंधारिया	9829061804	जयपुर
नन्दनी	B.A. RSCIT	-	14.6.20	5'8''	किरोड़ीवाल	जेठीवाल	देवतवाल	काज़्या	9414314380	फुलेरा
आरती	M.A.,Bed.,PGDCA	-	6.8.84	5'3''	घोड़ेला	मारवाल	धमुनिया	कलगुरिया	7737244132	अजीतगढ़
आशा	MHRM. M.Com, PG DLL	Private	24.5.88	5'1''	भौरोदिया	मारोठिया	धुंधारिया	तांगड़ा	9001904969	जयपुर
भावना	B.Sc.(Fashion Degin)	Private	18.12.90	5'2''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	8829850066	जयपुर
डिज़्पल	M.A.O.Level PGDCA	Photo studio	19.6.88	5'1''	बबेरीवाल	धुंधारिया	कैकट्या	तूंदवाल	7877385443	जोधपुर
हर्षीता	M.Com. RSCIT	-	25.12.96	5'3''	कुद्दीवाल	किरोड़ीवाल	मामोड़िया	जलान्दरा	8619588860	जयपुर
ममता	M.A.,Bed.	Govt. Statistical officer	6.02.91	5'3''	कारगवाल	मारोठिया	कुन्डलवाल	राहोरिया	7240780904	ज़्यावर
मनीषा	M.Com. (ABST)	-(मांगलिक)	14.7.93	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9828390772	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 306 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

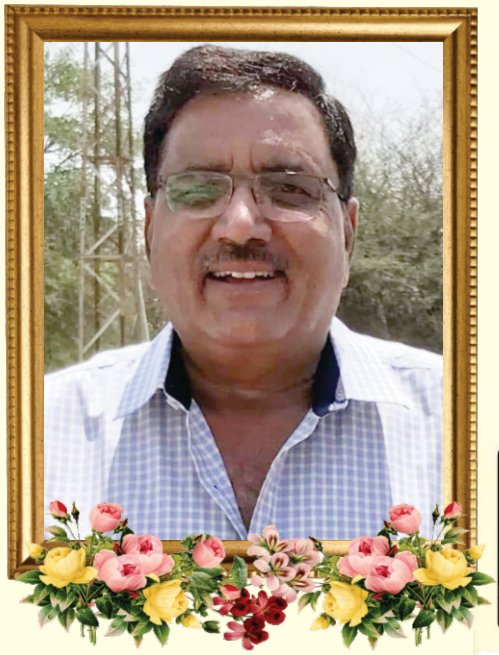

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय भ्राता

श्री विनोद बालोदिया

का 13 मई, 2021 को बैकुण्ठधाम हो

जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

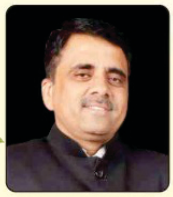

Rajesh Marodia
Chief Financial Officer,
KRML (IL&FS Group).
Mob.: 98290 97496

Mrs Kavita Marodia
Executive Director
DPS, Bandikui and
Colours International
M.: 9799476298, 9829210611

COLOURS
INTERNATIONAL SCHOOL
(A Unit of Keshari Devi Educational and Welfare Society)

LIVABLE EARTH LLP
50, Narayan Sagar A, Gopalpura Bypass
Naray N Vihar, Jaipur, Rajasthan - 302035 (INDIA)

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

महेश जलांधरा

शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
मो. 9828118789

श्रद्धांजलि

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

लालचंद धुंधारिया

आनन्दपुरी, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर
मो. 941335998

श्री विनोद बालोदिया
13 मई, 2021

श्रद्धांजलि

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के ट्रस्टी **श्री विनोद बालोदिया** एवं
उदयपुर नगर निगम के महापौर श्री गोविन्द सिंह टांक की धर्मपत्नी
श्रीमती राजकुमारी टांक के असामयिक निधन पर सादर श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट, जयपुर

सुरेन्द्र नागा	संदीप नागा	चन्द्रजीत कुमावत
अध्यक्ष, 9414994006	मंत्री, 9829647101	कोषाध्यक्ष, 9530400624

डी -114-ए, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर-302015

श्रीमती राजकुमारी टांक
2 मई, 2021

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 26.5.2002

स्व. श्री आनंदीलाल जी लखेसरा

की 19वीं पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

पत्नी : श्रीमती सरन देवी,

पुत्र-पुत्रवधु : नारायण प्रकाश-बसंत

पुत्री-दामाद : विमला-प्रेमचंद जी

पौत्र-पौत्रवधु : मधुर वर्मा-शिवानी,

पौत्री-पौत्री दामाद : रितु-सुरेश जी, कविता-नरेश जी

कुसुम-निशांत जी

एफ-24, 4th एवेन्यू, लाल बहादुर नगर पं.,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर मो. 9414238619

श्रद्धांजलि

स्व. 22 मई 2018

स्व. श्री कैलाश जी बालोदिया

वाणिज्य कर विभाग, रिटायर्ड

की तृतीय पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि

श्रृद्धान्वत :

धर्मपत्नि : श्रीमती निर्मला देवी

पुत्र-पुत्रवधु : दीपक-सुनिता, चन्द्रप्रकाश-सीमा
मोहित-पूजा

पौत्र : सुयश, धावित, हर्ष

पौत्री : युविका

निवास : एच-48, स्वेज फार्म, गोविन्दपुरी, रामनगर, सोडाला, जयपुर

श्रद्धा सुमन

चतुर्थ पुण्यतिथि 7 मई 2021

स्व. श्री भंवरसिंह वर्मा (भदाणियाँ)

सहायक नगर नियोजक (सेवानिवृत्त) जयपुर

पुत्र स्व. श्रीमती छुट्टन देवी एवं स्व. श्री किस्तूरचन्द भदाणियाँ (उप वास्तुविद)

सुपौत्र स्व. श्रीमती गुलाब देवी एवं स्व. श्री रामसहाय मिस्त्री

आप हमारे प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक बनकर
सदैव हमारे हृदय में रहेंगे।

श्रद्धानवत्

श्रीमती भंवरी देवी (पत्नी)

उमराव सिंह-प्रेमलता, अशोक-बीना (भ्राता-भ्रातावधु)

राजसिंह-सुनीता, सज्जनसिंह-तारा (पुत्र-पुत्रवधु)

निखिल (इंजि.), अखिल, नमन (पौत्र) एवं समस्त भदाणियाँ परिवार

454, मिश्राजाजी का रास्ता, अजमेरी गेट, जयपुर-302001
मो.: 9414238799, 9829611108, 9782649995

श्रद्धांजलि

स्व.श्रीमती दुर्गा देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री अर्जुन किशोर जी

19वीं पुण्य तिथि

27 जून, 2021

स्व.श्री अर्जुन किशोर जी

(खण्डारिया)

(समाजसेवी एवं भामाशाह)

कुमावत विद्यालय के संस्थापक पदाधिकारी

11वीं पुण्य तिथि

30 मई, 2021

पर सादर श्रद्धांजलि

श्रृद्धान्वतः

पुत्र-पुत्रवधु : प्रकाशचन्द-शोभा, कन्हैयालाल-कल्पना ,

पौत्र-पौत्रवधु : आशीष-ज्योति

तपेश-प्रियंका, पौत्र : सोमवेन्द,

पौत्री-पौत्री दामाद: दिव्या (रोमिना)- भास्कर भौरोंदिया,

पूजा-विकास गठेलवाल, पड़पौत्री : नव्या, प्रणवी,

पड़दोहिते : महिरूद्र

प्रतिष्ठान : **मै. अर्जुन गारमेंट्स** सोडाला, जयपुर मो. 9828088040 | **मै. दुर्गा साड़ी एवं सलवार सूट** सोडाला, जयपुर मो. 9314058244

निवास - 52, लालपुरा कॉलोनी, वनस्थली मार्ग, जयपुर

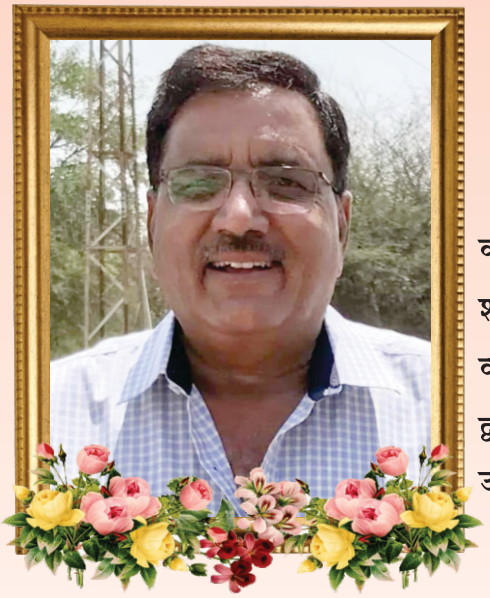

आभार

हमारे प्रिय

श्री विनोद बालोदिया

का स्वर्गवास 13 मई, 2021 को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभ चिन्तकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारियों के व्यक्तिगत उपस्थित होकर संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें एवं परिवार को सम्बल दिया एवं मनोबल बढ़ाया। उनके लिए हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

माताजी : बसन्ती देवी , पत्नी : शशि कला, भ्राता-भ्रातावधू : चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कान्ता, दिनेश-भावना, राकेश, मुकेश, पुत्र-पुत्रवधू : सुनील-रेनू, रवि-रिम्पल, पराग-मीना, पौत्र-पौत्री : अंशुल, आरव, आर्यश, आशना, दोहीता-दोहिती : शुभम, कृषि, आयरा एवं बालोदिया परिवार

आभार : समस्त राजब्लॉक्स स्टॉफ **फर्म : राज ब्लॉक 9414052736**

श्रद्धांजलि

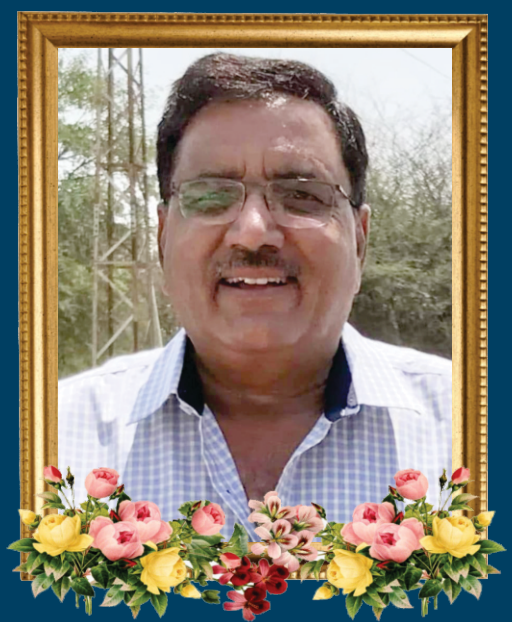

हमारे प्रिय

श्री विनोद बालोदिया

(राज ब्लॉक्स एवं राज प्रिंटलाईन)

का असामयिक निधन 13 मई, 2021 को
हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

सी.एम. कुमावत

Managing Director

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound, C-Scheme, Near Ajmer Puliya, Jaipur 302 001
Tel.: +91-141-4041561 M.: 9828056063
Res.: F-31/A, Lal Bhadur Nagar- W, JLN Marg, Jaipur

।।सादर श्रृद्धांजलि ।।

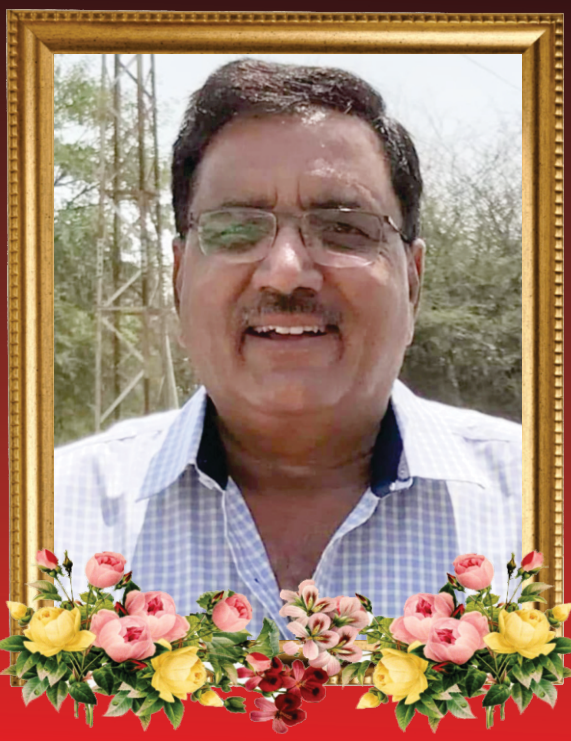

श्री विनोद जी बालोदिया

के असामयिक निधन पर हम और हमारा समस्त बालोदिया परिवार हार्दिक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए
परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि ऐसी दिव्य आत्मा को सद्गति प्रदान करें
एवं उनके परिजनो को इस दुखः को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्रृद्धावनत

Artist
Madhav

आर्टिस्ट माधव बालोदिया
मो. 9799298620
विजय - अजय - संजय बालोदिया

SIGNAGE
Flex Sign, Glow Sign, Folding Banner, Stand & Electric Signage
BACKDROP
Stage Show, Ladies Sangeet, Conference & other Events
Flots Fabricate For Road Show, Thermacole Job with 3D Effect

Mohan Kumar Balodia
(T-Series Singer)

Balodia's
DIAMOND
Orchestra
98290 89930

DIAMOND SUPER SOUND STUDIO
Akhilesh Balodia - 9829496581

Watch on YOUTUBE type :
Balodias Diamond Orchestra or Mohan Kumar Balodia Songs
Web. : www.balodiasdiamondorchestra.com
E-mail: mohankbalodia@gmail.com

J/10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur - 302004

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018